A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 07 दिसंबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-98 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

दक्षिण कोरिया में आगे क्या होगा, उत्तर कोरिया क्यों है चुप?

लुइस बरुचो और रशेल ली

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मंगलवार को देश में मॉर्शल लॉ की घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। राष्ट्रपति यून सुक-योल ने ये कदम उठाने की वजह उत्तर कोरिया से मिल रही धमकी और 'देश विरोधी ताक़तों' को बताया था। वैसे, उनका यह कदम राजनीतिक ज़्यादा दिखा। इसके विरोध में बड़ा प्रदर्शन हुआ और आपातकालीन संसदीय वोटिंग की मांग हुई। संसद ने इस फैसले को नामंजूर कर दिया। इसके बाद राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ का आदेश वापस ले लिया। अब विपक्ष राष्ट्रपति यून के खिलाफ़ महाभियोग शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रपति यून पर 'राजद्रोह जैसा व्यवहार' करने का आरोप लगाया है। राष्ट्रपति यून के इस कदम के खिलाफ़ हज़ारों लोगों ने प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफ़े की मांग की।

इस बीच, दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने मॉर्शल लॉ लागू करने की घोषणा करने की 'पूरी जिम्मेदारी' लेते हुए अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने 'भ्रम और तनाव' पैदा करने को लेकर जनता से माफ़ी भी मांगी।

राष्ट्रपति यून ने साल 2022 में राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। दक्षिण कोरिया में साल 1980 से स्वतंत्र तौर पर राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत हुई है। तब से लेकर अब तक का यह सबसे क़रीबी मुकाबला था। 63 वर्षीय यून ने राष्ट्रपति चुनाव में अपने अभियान के दौरान उत्तर कोरिया और विभाजनकारी माने जा रहे लैंगिक मुद्दों के खिलाफ़ कड़ा रुख़ अपनाया था। राष्ट्रपति रहते वो गलतियों और राजनीतिक घोटालों के लिए बदनाम हो गए। यही वजह है कि उनकी सरकार कमज़ोर पड़ चुकी है। एक साक्षात्कार में पूर्व विदेश मंत्री कांग क्यूंग-व्हा ने कहा, 'राष्ट्रपति यून का निर्णय यह बताता है कि वो इस बात से बिल्कुल बेख़बर हैं कि इस समय उनका देश वास्तव में किन परिस्थितियों से गुज़र रहा है।' तो फिर अब आगे क्या होगा। इस बारे में कांग कहती हैं कि यह सब कुछ पूरी तरह से यून पर निर्भर करता है। हालांकि यून के पास अब भी कुछ समर्थन है। सत्ताधारी दल के कुछ सांसदों ने राष्ट्रपति के समर्थन में आवाज़ उठाई है।

उनमें से एक हैं ह्वांग क्यो आह्न। वो भूतपूर्व प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय संसद के स्पीकर वू वोन शिक और यून की पार्टी के नेता हान डोंग-हून को गिरफ़्तार किया जाए, क्योंकि इन नेताओं ने राष्ट्रपति की ओर से लिए जाने वाले फैसले में अड़चन डालने की कोशिश की है।' ह्वांग ने कहा, 'अब उत्तर कोरिया के समर्थक समूहों को ख़त्म किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति यून को इस मामले में मजबूती से जवाब देना चाहिए। साथ ही इस मामले की जांच करवाकर ऐसे नेताओं को बाहर करने के लिए सभी आपातकालीन अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अब सारी नज़रें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यून को अब महाभियोग का सामना करना पड़ेगा? हालांकि वह दक्षिण कोरिया के पहले राष्ट्रपति नहीं होंगे, जो इस तरह की परिस्थिति का सामना करेंगे। छह विपक्षी दलों ने यून के खिलाफ़ महाभियोग चलाए जाने का प्रस्ताव रखा है। 72 घंटों में इसके लिए मतदान होना चाहिए। सभी सांसद शुक्रवार (6 दिसंबर) या शनिवार (7 दिसंबर) को इसके लिए इकट्ठा होंगे। इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए 300 सदस्यों वाली संसद में दो तिहाई सांसदों यानी 200 वोट का होना ज़रूरी हैं। विपक्षी दलों के पास पर्याप्त संख्या है।

हालांकि यून की पार्टी ने भी उनके इस कदम की आलोचना की है, लेकिन पार्टी क्या निर्णायक फ़ैसला लेगी, यह सामने आना बाकी है। ऐसे में यदि सत्ताधारी दल के कुछ सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया तो यह पास हो जाएगा। यदि संसद इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देती है, तो यून की ताकत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी जाएगी और प्रधानमंत्री हान दक-सू कार्यकारी राष्ट्रपति बन जाएंगे।

इस बीच, नौ सदस्यों की परिषद यानी संवैधानिक अदालत दक्षिण कोरिया की सरकार की शाखाओं की देख-रेख करेगी। इस मामले में इसे ही अंतिम फ़ैसला लेना है। यदि संवैधानिक अदालत ने महाभियोग के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया तो यून को अपना पद छोड़ना होगा। और अगले 60 दिनों में राष्ट्रपति चुनाव हो जाएंगे। यदि यह प्रस्ताव ख़ारिज हो जाता है, तो यून राष्ट्रपति बने रहेंगे।

यह घटनाक्रम साल 2016 में हुए राष्ट्रपति पार्क ग्यून हे के निष्कासन की याद दिलाता है। इस मामले में यून ने अभियोजन पक्ष के भ्रष्टाचार मामले का नेतृत्व करने में अहम भूमिका निभाई थी। पार्क को साल 2022 में रिहा कर दिया गया था। उन्होंने चार साल और नौ महीने जेल में बिताए थे।

इसी तरह साल 2004 में संवैधानिक अदालत ने संसद के महाभियोग के प्रस्ताव को पलट दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून अपने पद पर बने रहे थे।यून का मार्शल लॉ लागू करना दक्षिण कोरिया में पिछले 45 सालों में किया गया ऐसा पहला ऐलान है। इसने देश के इतिहास में इस आपातकालीन कदम के गलत इस्तेमाल से जुड़े पुराने घावों को फिर हरा कर दिया है। मॉर्शल लॉ का उद्देश्य राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति को संभालना था। लेकिन इसके उलट यहां इसका इस्तेमाल असहमति को दबाने, अपनी सत्ता को बनाए रखने और लोकतंत्र को नुक़सान पहुंचाने के एक औजार के रूप में किया जाता रहा है। इस कारण इसकी आलोचना हुई है।

कई लोग ऐसी घटना को उस लोकतांत्रिक समाज के लिए बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं, जहां दशकों से ऐसा नहीं हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि यह दक्षिण कोरिया की लोकतांत्रिक छवि को अमेरिका में छह जनवरी को हुए दंगों से भी ज़्यादा नुक़सान पहुंचा सकता है। सियोल में ईवा विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ लीफ-एरिक इस्ले ने कहा, 'यून का मार्शल लॉ घोषित करना एक गलत राजनीतिक आकलन और क़ानूनी अतिक्रमण करने जैसा दिखता है, जो अकारण दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को ख़तरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसे नेता लग रहे थे, जो पूरी तरह घिर चुके हैं। और लगातार बढ़ते घोटालों, संस्थागत बाधाओं और महाभियोग चलाए जाने की मांग के खिलाफ़ हताशा में कदम उठा रहे थे। जिनके अब और भी तेज़ होने की आशंका है।' इस बार उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। समाचार एजेंसी योन्हाप के अनुसारउत्तर कोरिया के खिलाफ़ सुरक्षा स्थिति स्थिर बनी हुई है।'

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह अभी तक साफ़ नहीं है कि यून ने उत्तर कोरिया के ख़तरे की बात क्यों कही।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मुझे एक कविता
लिखनी है
माँ के चेहरे की
झुर्रियों पर

मुझे एक कविता
लिखनी है
भूखे बालक की
आकुलता पर

मुझे एक कविता
लिखनी है
एक स्त्री की
दासता पर

मुझे एक कविता
लिखनी है
पसीने से आपादमस्तक
भीगे
श्रमिक पर

मुझे एक कविता
लिखनी है
निरपराध अपराधी पर।

-दुर्गाप्रसाद झाला

न आपका लोन महंगा होगा न ही अभी ईएमआई बढ़ेगी

आरबीआई ने रेपो रेट 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

महंगाई बढ़ने की आशंका, घट सकती है इकोनॉमिक ग्रोथ

मुंबई (एजेंसी)। आपके मौजूदा लोन महंगे नहीं होंगे, न ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। सेंट्रल बैंक ने लगातार 11वीं बार दरें नहीं बदली हैं। आखिरी बार फरवरी 2023 में ब्याज दर 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी की गई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। यह मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने महंगाई बढ़ने की आशंका भी जताई है, जिससे इकोनॉमिक ग्रोथ पर निगेटिव असर पड़ सकता है। इसीलिए अगले फाइनेंशियल इयर में जीडीपी ग्रोथ अनुमान 7.2 फीसदी से घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया गया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और मौजूदा लोन की ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी की थीं। कोलेटरल फ्री एग्रीकल्चरल लोन यानी कोई सामान गिरवी रखे बिना कर्ज देने की सीमा 1.6 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता से बढ़ाकर 2 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता करने का फैसला लिया गया है। एग्रीकल्चरल इनपुट कॉस्ट और ओवरऑल इन्फ्लेशन में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। आखिरी बार इसमें 2019 में बदलाव किया गया था। इस पर क्रेडिट लाइन यानी अकाउंट में पैसा न होने पर भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की इजाजत दी गई है। बैंकों को अपने पास जमा राशि का एक न्यूनतम प्रतिशत आरबीआई के पास रिजर्व के तौर पर रखना होता है। इसे ही ईएमआई कहा जाता है। इसका इस्तेमाल आरबीआई इकोनॉमी में मनी फ्लो को कंट्रोल करने के लिए करती है।

चंद्रयान-4 को लेकर अंतरिक्ष में अब बड़े प्रयोग की तैयारी

इसरो फिर करेगा कमाल, आपस में जुड़ जाएंगे दो स्पेसक्राफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने विश्वसनीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पर 'स्पैडेक्स' नामक 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग के प्रदर्शन के लिए एक मिशन की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि रॉकेट तैयार हो रहा है और बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिक इस महीने के अंत में इसके प्रक्षेपण की उम्मीद कर रहे हैं। यह प्रयोग चंद्रमा-4 प्रोजेक्ट में भी मददगार साबित होगा। अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने दिन में 'पीएसएलवी-सी59/प्रोबास-3' मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मिशन (पीएसएलवी-सी59-प्रोबास-3 मिशन) के समान ही दिसंबर में पीएसएलवी-सी60 का प्रक्षेपण होने वाला है। उन्होंने कहा, 'यह (पीएसएलवी-सी60 मिशन) 'स्पेस डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करेगा, जिसे 'स्पैडेक्स' नाम दिया गया है। रॉकेट अभी तैयार किया जा रहा है और हम प्रक्षेपण से संबंधित अंतिम चरण की गतिविधियों की तैयारी कर रहे हैं, जो

संभवतः दिसंबर में ही पूरी हो सकती हैं।' 'स्पेस डॉकिंग' तकनीक का तात्पर्य अंतरिक्ष में दो अंतरिक्ष यानों को जोड़ने की तकनीक से है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी सहायता से मानव को एक अंतरिक्ष यान से दूसरे अंतरिक्ष यान में भेज पाना संभव होता।

स्थानीय उद्योगों को मिलेगी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कलेक्ट्रेट उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) से पहले नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल के उद्योगपतियों से उज्जैन से वर्चुअल संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश में उद्योगपतियों का स्वागत है। हमारी मंशा है कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में सबसे पहले स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिले और वर्तमान में संचालित उद्योगों का विस्तार करने में सभी सुविधाएं प्रदान की जाएं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कलेक्ट्रेट उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि उद्योगपतियों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा, उद्योगपतियों की सहायता से ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है और रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं। आप सभी आगे आएं, नए उद्योग स्थापित करें और युवाओं को रोजगार

देकर प्रदेश के विकास में सहभागी बनें।

स्थानीय उद्योगों को मिलेगी प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उद्योगों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारा प्राथमिक उद्देश्य है कि सबसे पहले स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिले। इसके बाद राज्य, राष्ट्रीय और अंततः अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगपतियों को अवसर दिया जाएगा। आरआईसी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है, और इसे हमने बहुत बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया है।

निवेश और विकास के लिए व्यापक दृष्टिकोण

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदापुरम क्षेत्र में कृषि उत्पादन और खाद्य प्र-संस्करण के साथ अन्य सेक्टर में भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वे अपने मौजूदा व्यवसायों के साथ नए उद्योग क्षेत्रों में भी निवेश करें। उन्होंने कहा, हमारी सरकार उद्योगपतियों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आपके सहयोग से ही क्षेत्रीय विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की ओर समग्र प्रयास

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि नर्मदापुरम के बाद जनवरी में शहडोल में भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जायेगी। इन सम्मेलनों की कड़ी 2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने हाल ही में अपने यूके और जर्मनी दौरे का भी उल्लेख किया, जिसके माध्यम से प्रदेश को 78,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है।

प्रदेश के विकास में उद्योगपतियों की अहम भूमिका

मुख्यमंत्री ने कहा, उद्योगपति प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। उनके प्रयासों से ही रोजगार के अवसर सृजित होते हैं और क्षेत्रीय विकास को गति मिलती है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से हम प्रदेश के सभी उद्योगपतियों को स्थानीय स्तर पर सशक्त करने का प्रयास कर रहे हैं। आरआईसी नर्मदापुरम में संभावित क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा होगी, जिससे क्षेत्रीय विकास के नए रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी उद्योगपतियों को कॉन्क्लेव में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए कहा कि यह आयोजन निवेश और विकास के अवसरों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मंच प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पचमढ़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटल 'नीलांबर अमलतास' के शुभारंभ के पहले महिलाओं ने किया स्वागत।

पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार, और बढ़ेगी ठंड

● दिल्ली-एनसीआर में साफ हुई हवा तो गिरने लगा पारा ● हरियाणा-पंजाब में 8-9 दिसंबर को बारिश के आसार

यूपी-बिहार, राजस्थान में धीरे-धीरे बढ़ रहा ठंड का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में हल्की ठंड ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, 8 दिसंबर, 2024 से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों को प्रभावित करेगा। इससे पश्चिमी हिमालय में हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। बारिश और बर्फबारी से दिल्ली-एनसीआर समेत आस-पास के इलाके में ठंड बढ़ने आसार हैं। यूपी-बिहार समेत आस-पास के राज्यों में कोहरे का असर

नजर आ सकता है। राजस्थान में अगले से सर्दी बढ़ने के आसार हैं। हालांकि, बारिश या कोहरे का पूर्वानुमान नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, धीरे-धीरे तापमान में गिरावट होने लगी है। अगले तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। बाद में स्थिति स्थिर हो सकती है। पूर्वी भारत में भी अगले दो दिनों में तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखी जा सकती है। मध्य भारत में अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 07 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

सरकार बनते ही मराठा आरक्षण पर फिर मिला अल्टीमेटम

मनोज जारांगे ने दी चेतावनी, 5 जनवरी तक की दी तारीख

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के आजाद मैदान में भव्य तरीके से महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न होने के एक दिन बाद ही मराठा आरक्षण का मुद्दा गरमाने लगा है। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे पाटिल ने नई सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए एक महीने का अल्टीमेटम दिया है। मनोज जारांगे ने राज्य सरकार से 5 जनवरी तक मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझाने को कहा है। जारांगे ने कहा कि वह महायुति सरकार के गठन के लिए

शुभकामनाएं देते हैं लेकिन अब लोगों की समस्याओं का समाधान करना जरूरी है। मनोज जारांगे ने कहा, अगर सरकार 5 जनवरी तक मराठा समुदाय की सभी मांगें पूरी नहीं करती है तो मराठा फिर से आंदोलन में खड़े होंगे और सरकार की नाक में दम कर देंगे।

अडानी के बहाने घेर रही थी कांग्रेस, बीजेपी ने निकाला तोड़

जार्च सोरोस का नाम लेकर राहुल गांधी को बता दिया गद्दार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह से जुड़े विवाद पर कांग्रेस के लगातार विरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जवाबी हमला करते हुए ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट्स को कांग्रेस के खिलाफ हथियार बना लिया है। बीजेपी ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गद्दार और राष्ट्र-विरोधी करार दिया है। यह हमला विपक्ष के नए नेता पर अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। बीजेपी का दावा है कि

ओसीसीआरपी जैसे गुप्त अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भारत को निशाना बना रहे हैं और उनकी रिपोर्ट्स कांग्रेस के एजेंडे को बल देती हैं। बीजेपी ने संसद में ओसीसीआरपी रिपोर्ट का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन इन रिपोर्ट्स का इस्तेमाल कर भारत की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी का कहना है कि ओसीसीआरपी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद और सनसनीखेज है।

संसद में सिंघवी की सीट से मिला 50 हजार कैश

सभापति धनखड़ ने बताया तो खड़गे बोले-नाम लेना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में 500 रुपए का बंडल (50 हजार रुपए) मिलने पर शुक्रवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोटों की गड्डी मिली थी। भाजपा ने जांच की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने कहा- जांच से पहले किसी का नाम लेना ठीक नहीं है। धनखड़ ने कहा कि गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है। धनखड़ के बयान पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं होती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है। किरेन रिजिजू बोले- क्या सदन में नोट का बंडल लाना उचित है।

और बढ़ जाएगी भारतीय नौसेना की ताकत

रूस में बना वॉरशिप तुशील 9 दिंसबर को होगा नेवी में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन नेवी के लिए तलवार क्लास के तीसरे बैच का पहला वॉरशिप तुशील रूस में बनकर तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 दिसंबर को रूस में एक कार्यक्रम में तुशील को इंडियन नेवी में शामिल करेंगे। इससे पहले रूस में तुशील के सारे टेस्ट भी पूरे कर लिए गए हैं। कमीशनिंग के बाद, आईएनएस तुशील भारतीय नौसेना की पश्चिमी बेड़े यानी वेस्टर्न फ्लीट के 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल होगा, जो वेस्टर्न कमांड के तहत आता है। इंडियन नेवी की एक टीम भी रूस गई थी जिसने वॉरशिप का अंतिम ट्रायल लिया। तुशील सभी टेस्ट पर खरा उतरा है। तुशील एक फ्रिगेट है और इसमें ब्रह्मोस मिसाइल लगी हैं। यह 3600 टन से ज्यादा वजन का है। इसमें 180 नौसैनिक यात्रा कर सकते हैं। इसकी स्पीड 30 नॉटिकल माइल प्रति घंटे हैं। इसमें एंटी सबमरीन रॉकेट्स और टॉरपीडो लगाए गए हैं। आईएनएस तुशील तलवार क्लास का फ्रिगेट है।

20 हजार 199 से अधिक गैस पीड़ितों के बनाए गए आयुष्मान कार्ड

भोपाल। गैस पीड़ितों और उनके बच्चों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य सरकार तत्पर है। गैस पीड़ितों के लिए आयुष्मान भारत 'निरामयम' मध्यप्रदेश योजना के तहत 5 दिसम्बर तक 20 हजार 199 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

गैस पीड़ितों और उनके बच्चों के लिए भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के तहत 6 अस्पताल और 9 औषधालय भी संचालित किए जा रहे हैं, जहां सभी प्रकार की जांच, उपचार और आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। साथ ही आयुष्मान योजना के अंतर्गत भोपाल गैस राहत विभाग से अनुबंधित सभी अस्पतालों में भी गैस पीड़ितों को आवश्यकतानुसार चिकित्सा सुविधाएँ दी जा रही हैं।

गंभीर बीमारियों के विशेष इलाज

किडनी, लीवर ट्रांसप्लांट और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। कैंसर उपचार के लिए विभाग ने एम्स भोपाल और 3 निजी अस्पतालों के साथ अनुबंध किया है। इसके अतिरिक्त कमला नेहरू अस्पताल में डायलिसिस यूनिट की स्थापना की गई है, जहां 13 डायलिसिस मशीनों के जरिये पीड़ित मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है।

अत्याधुनिक आपातकालीन सेवाएं भी जारी

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अधीन सभी अस्पतालों में 24×7 इमरजेंसी यूनिट संचालित की जा रही है। इन यूनिट्स में गैस पीड़ितों और उनके बच्चों को तुरंत और उन्नत चिकित्सा सेवाएं, सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

गैस प्रभावित विधवाओं (कल्याणियों) को राज्य सरकार द्वारा विशेष राहत दी जा रही है। इन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त 1,000 रुपये मासिक पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में 4 हजार 406 विधवाओं को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। राज्य सरकार भोपाल गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

संचालक लोक अभियोजन प्रजापति ने किया कार्यभार ग्रहण

भोपाल। जिला न्यायाधीश बी.एल. प्रजापति ने संचालक लोक अभियोजन का पदभार ग्रहण किया। प्रथम महिला संचालिका सुषमा सिंह के सेवानिवृत्ति उपरांत संचालक लोक अभियोजन का पद रिक्त था। पदग्रहण करने के अवसर पर संयुक्त संचालक रामेश्वर प्रसाद कुमरे, राजेन्द्र उपाध्याय, प्रभारी उपसंचालक भोपाल, सहायक संचालक शैलेन्द्र सिरौठिया, अभिषेक बुन्देला, मनोज कुमार पटेल, एडीपीओ अनिल पटेल, आशीष त्यागी, आशीष दुबे, श्रीमती सुधा विजय भदौरिया, दिनेश आर्य एवं संचालनालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

संचालक लोक अभियोजन बी.एल. प्रजापित ने पदभार ग्रहण करने के अवसर पर व्यक्त किया कि अभियोजन विभाग में मूलभूत सुविधाओं का अभाव सबसे बड़ी चुनौती है तथा न्यायालय में लंबित प्रकरणों की त्वरित निराकरण में न्यायालय का सहयोग करना अभियोजन अधिकारियों का प्रमुख कर्तव्य है। हमारी प्राथमिकता शासन के मामलों में समुचित पैरवी,पीड़ित को समय पर न्याय दिलाना, शासन के समन्वय से अभियोजन अधिकारियों को उचित व सारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, महिला अपराधों विशेषकर बालकों के विरूद्ध होने वाले अपराधों में पूरी सजकता एवं संवेदनशीलता के साथ अभियोजन का संचालन, दोषसिद्धि के प्रतिशत में वृद्धि करने के लिये अभियोजन हमेशा सशक्त होके कार्य कर रहा है।

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 'हम होंगे कामयाब' अभियान के समापन पर मानव अधिकार दिवस पर विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन

भोपाल (नप्र)। विशेष पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा), भोपाल श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि महिला सुरक्षा शाखा, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 'हम होंगे कामयाब' अभियान के समापन पर मानव अधिकार दिवस पर विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। यह दौड़ मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को प्रातः 9:30 बजे से न्यू रविन्द्र भवन के सामने स्थित ग्राउंड से प्रारंभ होगी और दोपहर 12:00 बजे बोट क्लब पर समाप्त होगी। इस मैराथन दौड़ का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, उनकी सुरक्षा, और समाज में उनकी गरिमा को लेकर जागरूकता फैलाना है। उल्लेखनीय है कि लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए राज्य शासन द्वारा 16 दिवसीय 'हम होंगे कामयाब' अभियान का आयोजन 25 नवम्बर, 2024 से 10 दिसम्बर, 2024 तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति हिंसा को समाप्त करना और जेंडर आधारित भेदभाव के खिलाफ व्यापक जागरूकता फैलाना है।

भोपाल के कोलार में दिनदहाड़े युवक का अपहरण

नकाबपोश बदमाशों ने बेसबॉल बैट से किया हमला ; कार में जबरदस्ती बैठाकर ले गए

भोपाल (नप्र)। कोलार के सर्वधर्म इलाके में दिनदहाड़े युवक के अपहरण की घटना सामने आई है। नकाबपोश बदमाशों ने पहले युवक पर बेसबॉल बैट से हमला किया और फिर उसे कार में जबरदस्ती डालकर ले गए। यह वारदात कोलार इलाके के सर्वधर्म के पास हुई। घटना की सूचना दोपहर में राहगीरों ने पुलिस को दी। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि युवक कौन था और उसे कौन ले गया। पुलिस की टीमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गाड़ी के रूट मैप का पता लगाते हुए ब्यावरा पहुंच रही हैं। गाड़ी ब्यावरा की एक ट्रैवल कंपनी की बताई जा रही है। वहां पहुंचने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा।

दाढ़ी बनवाकर दुकान से बाहर आया था- पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने राजगढ़ से अर्टिगा टैक्सी किराए पर हायर की थी। युवक मुख्य सड़क पर दाढ़ी बनवाकर बाहर निकला था, तभी आरोपियों ने बेसबॉल बैट से हमला किया और उसे गाड़ी में डालकर ब्यावरा की ओर रवाना हो गए।

यूपी के लिए 'ब्लैक फ्राइडे'

छह घंटे में तीन हादसे, 20 लोगों की मौत

पीलीभीत बाद कन्नौज में हुआ भीषण सड़क हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में शुक्रवार का दिन हादसों वाला दिन हो गया है। छह घंटे के अंदर यहां तीसरा बड़ा हादसा हुआ है। पहले पीलीभीत, फिर

चित्रकूट के बाद कन्नौज में भीषण हादसा हुआ है। यहां डबल डेकर बस और टैंकर की टक्कर हुई है। हादसे में आठ लोगों की जान गई है। 40 लोग घायल हैं। इनमें 17 लोगों की हालत गंभीर है। हादसे के बाद डबल डेकर बस टक्कर के बाद सड़क किनारे पलट गई है। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुआ है। हादसा सकरावा-सौरिख थाना क्षेत्र के बीच हुआ है। बस लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहा थी। जिस पानी के टैंकर से बस टकराई है वह यूपीडा का बताया जा रहा है। तीनों हादसों में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के समय जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह का काफिला भी एक्सप्रेसवे से गुजर रहा था। ऐसे में मंत्री और उनके साथ के लोग भी मदद में जुटे हैं। मंत्री ने ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को फोन कर हादसे की जानकारी दी और तत्काल मदद का निर्देश दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजना शुरू किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। कुछ घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय प्रशासन को लगी, तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ है। बताया जा रहा है कि बस में कुल 40 यात्री सवार थे। हादसे में घायल यात्रियों को सैफई मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा गया है। कहा जा रहा है कि बस अनियंत्रित होकर टैंकर से जा टकराई।

बूढ़ी आबादी से चिंतित चीन में अब शुरू होगी 'लव एजुकेशन'

शादी, परिवार के लिए प्रेरित होंगे युवा, 'हम दो हमारा एक' से ड्रैगन का किनारा

बीजिंग (एजेंसी)। एक समय चीन ने नारा दिया था- हम दो हमारा एक। कम बच्चे पैदा करने की इस अपील से चीनी सरकार आबादी का बोझ कम करना चाहती थी। अब चीन की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। ऊपर से चीन के 57 फीसदी युवा शादी नहीं करना चाहते। इसकी वजह है बेरोजगारी और करियर बनाने की मुश्किलें। अब चीन की सरकार ने अपने कॉलेज और यूनिवर्सिटीज से युवाओं के लिए लव एजुकेशन शुरू करने को कहा है, ताकि लोग ज्यादा शादियां करें और ज्यादा बच्चे पैदा हों। अभी चीन की आबादी 141 करोड़ है। हालांकि भारत की आबादी अब चीन से ज्यादा हो गई है, लेकिन भारत में भी 23 फीसदी युवा करियर और पढ़ाई के चलते शादी करने के खिलाफ हैं। चीन में बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से सरकारी खर्च बढ़ेंगे, कामकाजी लोग कम होंगे तो अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ेगा। ऐसे में चीन के पास लॉन्गटर्म में एक ही इलाज है- कम उम्र के लोगों की आबादी बढ़ना और इसके लिए चीन को अपनी जन्म दर बढ़ानी होगी। हालांकि इसमें एक बड़ी समस्या है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के युवा शादी और प्रेम को लेकर अनिच्छुक होते जा रहे हैं।

शिंदे की 'तारीफ' के साथ और भी बढ़ा दी चिंता

मंत्रालयों के बंटवारे की फडणवीस ने बताई तारीख

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नए सीएम बने देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वह धैर्य से फैसले लेने वाले नेता हैं और अकसर सोच-समझकर ही कोई निर्णय लेते हैं। इसके अलावा उन्होंने लड़की बहिन योजना शुरू करने का क्रेडिट भी एकनाथ शिंदे को दिया। हालांकि होम मिनिस्ट्री की डिमांड कर रहे एकनाथ शिंदे की उन्होंने इशारों में ही चिंता भी बढ़ा दी। शपथ लेने के बाद दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय तो हमेशा ही हमारे पास रहा है। इस तरह देवेंद्र फडणवीस ने यह संकेत भी एकनाथ शिंदे को दे दिया कि भाजपा होम मिनिस्ट्री पर अपना दावा नहीं छोड़ेगी। बता दें कि एकनाथ शिंदे अब भी होम मिनिस्ट्री के लिए लॉबिंग में जुटे हैं।

मणिपुर के कुकी गुट ने गृहमंत्री अमित शाह को लिखा लेटर

जिरिबाम एनकाउंटर की जांच की मांग

दावा-सीआरपीएफ ने हमारे लोगों की पीठ पर गोली मारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में कुकी समुदाय के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा। इसमें 11 नवंबर को जिरिबाम में सीआरपीएफ संग मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी लोगों की मौत की न्यायिक जांच की मांग की गई है। आईटीएलएफ के अध्यक्ष पैगिन हाओकिप और महासचिव मुआन टॉम्बिंग ने सीआरपीएफ की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। जैरावन गांव में आगजनी और 31 साल की महिला की हत्या का भी जिक्र किया। आईटीएलएफ ने मणिपुर में भारतीय संविधान के तहत कुकी समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन की भी मांग दोहराई।

मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी, हजारों लोग बेघर हुए हैं। आईटीएलएफ ने गृह मंत्री को लिखे लेटर में कहा- 7 नवंबर को महिला का शव मिला था, जिसे बेरहमी से जलाया गया था। इस घटना से अधिक चिंता इस बात की है कि सीआरपीएफ ने 10 आदिवासियों को मार डाला, जबकि सीआरपीएफ को एक न्यूट्रल फोर्स के रूप में काम करना था। मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीछे से मारने की बात सामने आई है।

हमारा प्रयास कोई गौमाता सड़कों पर न रहे : मंत्री पटेल

गौ माता के लिए भोजन और पानी, सुरक्षा का प्रबंध करना है प्राथमिकता

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम एवं भिण्ड जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को भिण्ड जिले के ग्राम पाण्डरी में गौ-अभ्यारण्य के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गौ-अभ्यारण्य के लिए भूमि पर्याप्त और सुन्दर है। सुरक्षा की दृष्टि से इसमें तार फेंसिंग की जरूरत है, जिससे गौ-

वंश खेतों में न जा सके। गौ-माता के लिए पर्याप्त भोजन और पानी के प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि हम सबका प्रयास होना चाहिए कि सड़क पर कोई गौ-माता नहीं रहे।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गौ-शाला के लिए दो रास्ते एवं दो द्वार बनाए जाएं। उन्होंने गौ-अभ्यारण्य की तार फेंसिंग में लगने वाले समय, पानी की व्यवस्था की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना सिंह भदौरिया, विधायक भिण्ड श्री नरेन्द्र सिंह कुशवाह, कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्री जगदीश कुमार गोमे सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु अनारक्षित विशेष ट्रेन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और परीक्षा के दौरान अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 09015/09016 कटनी साउथ -बीना-कटनी साउथ अनारक्षित विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन 8 दिसंबर 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक दोनों दिशाओं में कुल 6 ट्रिप्स के लिए उपलब्ध रहेगी।

गाड़ी संख्या 09015 कटनी साउथ -बीना अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 08.12.2024 से 13.12.2024 तक प्रतिदिन कटनी साउथ स्टेशन से 05.20 बजे प्रस्थान कर 12.10 बजे बीना स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09016 बीना-कटनी साउथ अनारक्षित विशेष ट्रेन दिनांक 08.12.2024 से 13.12.2024 तक प्रतिदिन बीना स्टेशन से 14.30 बजे प्रस्थान कर 20.40 बजे कटनी साउथ स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट-रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं कटनी मुड़वारा, रीठी, सलैया,बांदकपुर, दमोह, पथरिया, गणेशगंज, सागर, जरुवाखेड़ा, खुरई स्टेशनों पर रुकेगी।

इसके अतिरिक्त गाड़ी संख्या 19013/19014 भुसावल-कटनी- भुसावल एक्सप्रेस 07.12.2024 से 13.12.2024 तक कटनी साउथ स्टेशन पर शॉर्ट-टर्मिनेट/शॉर्ट-ऑरिजिनेट रहेगी।

यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 रेल मदद से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

करंट से महिला की मौत

इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करने के दौरान हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हनुमान गंज थाना क्षेत्र में एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर की है। महिला ने इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करने के लिए लगाया था। रॉड निकालते समय वो स्विच ऑफ करना भूल गई। शुक्रवार को हनुमान गंज थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

परिजनों के मुताबिक, दवा बाजार स्थित न्यू लेबर कॉलोनी निवासी सपना चौरसिया (35) पति रितेश चौरसिया गुरुवार को घर में अकेली थी। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रिकल रॉड से पानी गर्म करने के लिए लगाया। लेकिन लापरवाही के चलते रॉड निकालते समय स्विच ऑफ करना भूल गई। जिससे उनका हाथ रॉड से चिपक गया। झटका लगते ही रॉड उछल कर गले से चिपक गई।

परिजनों के पहुंचने पर मृत अवस्था में मिली

परिजनों ने बताया कि सपना ने अंदर से घर बंद कर रखा था। इस दौरान बेटी घर पहुंची तो दरवाजा नहीं खुला। जिस पर बच्ची ने बगल में ही रहने वाली अपनी बुआ को इस बारे में बताया। बुआ ने महिला के पति रितेश को सूचना दी। जिसके बाद परिजन पीछे के रास्ते से घर में घुसे, तो अंदर सपना मृत अवस्था में मिली। उसका हाथ और गला बुरी तरह से जल गया था। मामले की सूचना हनुमान गंज थाने को दी गई।

6 साल की बेटी है– सपना और रितेश की शादी 8 साल पहले हुई थी। उनकी 6 साल की बच्ची है। पति रितेश मार्केटिंग का काम करते हैं। सपना हाऊस वाइफ है। मां की मौत के बाद बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं परिजनों में शोक की लहर है।

कांग्रेस का प्रदेशव्यापी विधानसभा घेराव 16 को, तैयारियों पर आज तीन अलग-अलग बैठकें

भोपाल (नप्र)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर आगामी 16 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाले विधानसभा घेराव कार्यक्रम की रणनीति एवं कार्यक्रम की तैयारियों के लिए शनिवार, 7 दिसम्बर 2024 को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में तीन अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई हैं। तीनों बैठकों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि विधानसभा घेराव की रणनीति एवं तैयारियों पर चर्चा हेतु पहली बैठक पूर्वान्ह 11.30 बजे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ होगी, जिसमें विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रभारी जे.पी. धनोपिया भी उपस्थिति रहेंगे। श्री सिंह ने बताया कि वहीं दूसरी बैठक दोपहर 12 बजे से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के मुख्य आतिथ्य और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सहप्रभारी श्री संजय दत्त जी की उपस्थिति में आहूत होगी। उक्त बैठक में अभा कांग्रेस द्वारा श्री दत्त को मप्र प्रदेश में सौंपे गये संगठनात्मक जिलों के जिला प्रभारियों और सहप्रभारियों को आमंत्रित किया गया है। श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अपरान्ह 3 बजे से आयोजित होने वाली तीसरी बैठक में भोपाल के कांग्रेस पक्ष के पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशियों को आमंत्रित किया गया है।

श्री सिंह ने बताया कि उक्त बैठकों में आगामी 16 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी के आव्हान पर भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित

नि-क्षय शिविर को सफल बनाने में भागीदारी सुनिश्चित करें : शुक्ल

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 100 दिवसीय शिविर का आयोजन 7 दिसम्बर से

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि टीबी, जिसे कभी लाइलाज माना जाता था, अब सघन और समर्पित प्रयासों से समाप्ति के करीब है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए 7 दिसंबर 2024 से 25 मार्च 2025 तक '100 दिवसीय निक्षय शिविर' आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति देना और जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अभियान का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वास्थ्य कर्मियों और आमजन से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जैसे हमने कोविड महामारी में एकजुट होकर हर व्यक्ति तक जाँच और उपचार सुनिश्चित किया, वैसे ही इन 100 दिनों में हमें टीबी की व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जाँच, उपचार और जन-जागरूकता को सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से आह्वान किया कि पूर्ण समर्पण से अभियान को सफल बनाने के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने आमजन से स्वास्थ्य कर्मियों को सहयोग प्रदान करने की अपील की है, जिससे समाज का सशक्त और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अंतर्गत गतिविधियाँ– प्रदेश में क्षय रोग (टी.बी.) के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के 23 उच्च-प्राथमिकता वाले जिलों नरसिंहपुर, दतिया, सिंगरोली, डिन्डौरी, खण्डवा, कटनी, अनुपपूर, अलिराजपुर जबलपुर, नीमच, रतलाम, मंदसौर, छतरपुर, उज्जैन, सीधी, श्योपुर, बैतूल, छिन्दवाडा, विदिशा, दमोह, मंडला, सीहोर और सिवनी में 7 दिसंबर से प्रारंभ होगा। इस शिविर का उद्देश्य उच्च जोखिम वाले मरीजों की स्क्रीनिंग, जांच, और उचित उपचार प्रदान करना है। इस अभियान के अंतर्गत समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी/ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र, और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक) के माध्यम से उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों और टी.बी. के मरीजों की स्क्रीनिंग एवं जांच की जाएगी।

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर के तहत विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से मधुमेह पीड़ित, कुपोषित, धूम्रपान करने वाले, शराब सेवन करने वाले, पूर्व टीबी मरीज, संपर्क व्यक्ति और एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जाएगी। शिविरों का आयोजन प्रमुख सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे और बस स्टेशनों, सामूहिक स्थानों, छात्रावास, आयुष्मान आरोग्य मंदिर,और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों पर किया जाएगा। नि-क्षय शिविरों का आयोजन कारखानों, उद्योगों, ईंट भट्टों, निर्माण स्थलों, पत्थर क्रशरों और अन्य ऐसे कार्यस्थलों पर भी किया जाएगा, जिससे श्रमिक वर्ग और अन्य संवेदनशील वर्गों तक इस अभियान का लाभ पहुँच सके।

शिविरों का आयोजन पंचायत संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों, स्वसहायता समूहों, जन आरोग्य समिति, महिला आरोग्य समिति, और ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा। नए निक्षय मित्रों और टीबी चैंपियंस/विजेताओं की पहचान की जाएगी, जिससे उनकी सहभागिता से अभियान को और गति दी जा सके। त्यौहारों और मेलों के दौरान धार्मिक गुरुओं के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे। स्कूलों और कॉलेजों में कला और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, रैलियाँ आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के अलावा अन्य सरकारी विभागों में 'नि-क्षय सप्ताह' के आयोजन के अन्तर्गत जागरूकता सत्र, निक्षय शिविर, टीबी शपथ एवं प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाएंगी।

विनोद नागर की नई कृति 'प्रजातंत्र में बातें फिल्मों की' का विमोचन

भोपाल। डेढ़ सौ से अधिक फिल्मों में काम कर चुके चरित्र अभिनेता शरत सक्सेना और राजीव वर्मा ने रवींद्र भवन में वरिष्ठ फिल्म समीक्षक विनोद नागर की नई पुस्तक 'प्रजातंत्र में बातें फिल्मों की' का विमोचन किया।

प्रदेश प्रेस क्लब द्वारा आयोजित समारोह में नई दिल्ली से आए जाने मानेटीवी पत्रकार सुमित अवस्थी सहित बद्रिकाश्रम ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य जगतगुरु स्वामी वासुदेवानंदजी महाराज विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में नागर ने कहा कि फिल्म समीक्षक के रूप में उन्होंने अपनी पहली पारी छात्र जीवन में 1972-73 में उज्जैन में दैनिक अवंतिका और ब्रिगेडियर से शुरू की थी और एक दशक बाद 1982-83 में उन्होंने फिल्म समीक्षक के बतौर अपनी दूसरी पारी भोपाल के दैनिक 'सुबह सवेरे' में तथा तीसरी पारी में 2016 से 2019 तक उन्होंने भोपाल में दैनिक सुबह सवेरे के सिने विमर्श कॉलम में लगातार फ़िल्म समीक्षाएं लिखीं। चौथी पारी कोरोना काल में इन्दौर/भोपाल से एक साथ प्रकाशित दैनिक प्रजातंत्र में लिखी समीक्षाएं इस पुस्तक में हैं। इस पुस्तक में साठ आलेख संकलित हैं, जो कोरोना काल में सहमें बॉलीवुड की कसक को बयां करते हैं। नागर ने बताया कि जल्दी ही उनकी दो अन्य पुस्तकें 'सिनेमा में मध्य प्रदेश और मध्य प्रदेश में सिनेमा' तथा 'हिन्दी फिल्मों का धर्मयुग' शीर्षक से छपकर आने वाली हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम के पहले चरण में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्य प्रदेश रत्न अलंकरण समारोह में प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले चुनिंदा व्यक्तियों को सम्मानित कर संबोधित किया। प्रारंभ में मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने नवरत्न अलंकरण समारोह की जानकारी दी। कार्यक्रम संचालन मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने किया।

फार्मेसी के छात्रों का नहीं हो रहा पंजीयन, एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष के माध्यम से डिप्टी सीएम और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल में पिछले 6 महीनों से रुकी हुई पंजीयन प्रक्रिया को तत्काल शुरू करने की मांग की गई है।

मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन प्रक्रिया पिछले 6 महीनों से बंद है। इसके चलते हजारों छात्र सरकारी भर्तियों और व्यावसायिक अवसरों से वंचित हो रहे हैं। पंजीयन न होने के कारण छात्रों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। एबीवीपी ने मांग की है कि लंबित पंजीयनों को तुरंत शुरू कर, सभी छात्रों को अगले एक महीने के भीतर पंजीयन प्रदान किया जाए। नए पंजीयन के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाए, ताकि सभी छात्र उसमें भाग ले सकें। मध्य प्रदेश स्टेट फार्मेसी काउंसिल की ओर से अधिसूचना जारी की जाए, जिसमें पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट और संतोषजनक जानकारी प्रदान की जाए एवं पहले से आवेदन कर चुके छात्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

फार्माविज़न राष्ट्रीय संयोजक अनिकेत शेलके ने कहा कि

इस मामले पर पीसीआई और मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल ध्यान देकर छात्रों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। पंजीयन प्रक्रिया शुरू न होने के कारण छात्रों के व्यावसायिक और सरकारी अवसर प्रभावित हो रहे हैं।

एबीवीपी भोपाल महानगर मंत्री शिवम् जाट ने कहा कि

पिछले 6 महीने से फार्मेसी काउंसिल का काम पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। न तो नए पंजीयन हो रहे हैं और न ही पुराने पंजीयन का नवीनीकरण हो रहा है। इससे हजारों छात्र सरकारी अस्पतालों की फार्मासिस्ट भर्ती में भाग नहीं ले पा रहे हैं। यदि काउंसिल जल्द ही अनियमितताओं का समाधान नहीं करती है, तो एबीवीपी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। एबीवीपी ने ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट किया है कि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए पंजीयन प्रक्रिया को तुरंत शुरू करना आवश्यक है। संगठन ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

स्वच्छता प्रभारी को हटाने को लेकर बहस

भोपाल में एमआईसी की मीटिंग में उठा मुद्दा

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग की तारीख तय नहीं होने से सियासत गरमा गई है। कांग्रेस पार्षद खुलकर 'शहर सरकार' पर आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच गुरुवार शाम को एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) की मीटिंग शुरू हुई, लेकिन इसमें स्वच्छता प्रभारी देवेंद्र सिंह चौहान को हटाने को लेकर अफसर और नेताओं में बहस हो गई। इससे मीटिंग को अधूरा ही छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, कुछ एमआईसी मेंबर और पार्षद स्वच्छता शाखा के प्रभारी अपर आयुक्त चौहान के रवैये से नाराज हैं। उनका कहना है कि चौहान जनप्रतिनिधियों के मोबाइल कॉल रिसीव नहीं करते। इसके चलते गुरुवार को एमआईसी मीटिंग की शुरुआत में ही यह मुद्दा उठ गया।

सूत्र बताते हैं कि निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने चौहान को बदलने से यह कहते हुए मना कर दिया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए टीम आने वाली है। ऐसे में अचानक प्रभारी नहीं बदल सकते। इसके बाद मीटिंग को अधूरा छोड़ दिया और महापौर समेत एमआईसी मेंबर हाईमास्ट का लोकार्पण करने निकल गए। इसलिए यह मीटिंग शुक्रवार को फिर रखी गई थी। कांग्रेसी पार्षदों ने हाल ही में कमिश्नर संजीव सिंह को आवेदन सौंपकर निगम परिषद की मीटिंग जल्द कराने की मांग की थी।

2 महीने में होनी चाहिए थी, 3 महीना बीता– इधर, नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि परिषद की पिछली मीटिंग 2 सितंबर को हुई थी। नियमानुसार अगली मीटिंग 2 नवंबर को होनी चाहिए थी, लेकिन अब 35 दिन से ज्यादा समय बीत चुका है।

भोपाल में 1.5 करोड़ की शराब पर चला बुलडोजर

3 घंटे में नष्ट की 45 हजार लीटर शराब, 21 महीने में जब्त की थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को 1 करोड़ 53 लाख रुपये कीमत की 45 हजार लीटर अवैध शराब पर बुलडोजर चला। यह शराब जब्त की गई थी। अफसरों की मौजूदगी में करीब तीन घंटे तक आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई की।

आबकारी विभाग ने यह शराब 1 जनवरी 2023 से 30 सितंबर 2024 के बीच जब्त की थी। कुल 9793 प्रकरण बने थे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश के बाद शुक्रवार को आबकारी विभाग ने कार्रवाई शुरू की, जो तीन घंटे तक चली।डिप्टी कलेक्टर अजय शर्मा, सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा, सहायक जिला आबकारी अधिकारी आरजी भदौरिया, अमिताभ जैन, वर्षा उईके आदि ने यह कार्रवाई की।

भारत वर्ष की सबसे बड़ी ताकत देश का संविधान है : पटवारी

कांग्रेसजनों ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण किया

भोपाल । संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी के आज परिनिर्वाण (पुण्यतिथि) दिवस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी सहित अन्य कांग्रेसजनों द्वारा राजधानी भोपाल के लिली टाकीज चौराहा और बोर्ड आफिस चौराहे पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। तत्पश्चात श्री पटवारी एवं अन्य नेतागणों ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया।

श्री पटवारी ने इस मौके पर कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये कहा कि भारत वर्ष की सबसे बड़ी ताकत देष का संविधान है, जिसमें हर व्यक्ति को स्वतंत्रता से रहने के लिए मौलिक अधिकार प्रदत्त किये गये हैं। षिक्षा, स्वास्थ्य, अपनी बात को कहने एवं स्वतंत्रता से रहने के अधिकार बाबा साहेब के संविधान में हमें दिये गये हैं। कांग्रेस पार्टी के महान नेताओं ने देश को आजाद कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी, आाजादी के बाद संविधान लागू हुआ जिसमें सर्वधर्म समभाव की मूल भावना को दृष्टिगत रखते हुये

सभी धर्मों, जातियों के लोगों को ऊंच-नीच को परे रख अपनी बात कहने का अधिकार दिया गया। बाबा साहेब ने संविधान बनाने के लिए अपनी जिंदगी देश के लिए समर्पित की, यह अस्मरणीय है।

श्री पटवारी ने कहा कि बाबा साहेब ने कहा कि जिन हाथों में संविधान रहेगा उसका उपयोग और दुरूपयोग करने देश उसी तरह चलेगा, कांग्रेस पार्टी के महान नेताओं ने संविधान की रक्षा, देश की अखण्डता और अक्षुण्यता को बनाये रखने के लिए अपना बलिदान दिया, देश को शिखर तक पहुंचाया, लेकिन आज देश का संविधान नरेन्द्र मोदी, भाजपा और आरएसएस के हाथों में है, यानि संविधान गलत हाथों में है, जो देश की अस्मिता को तार-तार करने में लगे हुये हैं। आज संविधान की रक्षा का संकल्प लेने का दिन है। लोकतंत्र को बचाने का समय है। सभी कांग्रेसजनों का दायित्व हैं कि देश के लोकतंत्र और संविधान बचाने और आम नागरिकों की रक्षा के लिए ऐसे लोगों से लड़ने की जरूरत है, जो संविधान के साथ खिलवाड़ कर उसे समाप्त करने की धारणा से देश में सत्ता पर काबिज हैं।

इस दौरान मप्र शासन के पूर्व गृह मंत्री भारत सिंह और कांग्रेस के इंटक नेता आर.डी. त्रिपाठी के निधन पर कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दोनों नेताओं को श्रद्धांजलि देते हुये उनकी आत्मशांति की प्रार्थना की।

इस अवसर पर कांग्रेस नेतागण सर्वश्री राजीव सिंह, कुणाल चौधरी, सिद्धार्थ कुशवाहा, महेन्द्र जोशी, जे.पी. धनोपिया, मानक अग्रवाल, श्रीमती विभा पटेल, भूपेन्द्र गुप्ता, सुश्री संगीता शर्मा, अभिनव बरोलिया, महेश मालवीय, प्रदीप अहिरवार, प्रवीण सक्सेना, हैदरयार खान, विक्रम चौधरी, विजय सिरवैया, मुकेश मालवीय, श्याम सुंदर श्रीवास्तव, अभिषेक शर्मा, गुड्डू चौहान, असमत सिद्दीकी, शीतल मालवीय, तनय अग्रवाल, मुकेश बंसल, प्रिंस सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद श्री पटवारी सहित अन्य कांग्रेस नेता दिवंगत इंटक नेता आर. डी. त्रिपाठी के अंतिम दर्शन हेतु भेल क्षेत्र में स्थित इंटक कार्यालय पहुंचे जहां श्री पटवारी ने दिवंगत त्रिपाठी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र भेंट कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

संपादकीय

देवेन्द्र की वापसी, पर चुनौतियां भी

महाराष्ट्र में अटकलबाजियों की लहरों के बीच समुंदर के रूप में देवेन्द्र फडणवीस फिर मुख्यमंत्री के रूप में लौट आए हैं। इस बार महायुति के प्रचंड बहुमत और उनकी अपनी पार्टी भाजपा के पास सर्वाधिक सीटें होने के बाद भी देवेन्द्र फडणवीस के सामने आने वाले पांच सालों के दरमियान कई चुनौतियां होंगी। इनमें तो कुछ आंतरिक भी हैं। हाल के विधानसभा चुनाव में महायुति की भारी जीत के बाद मोटे तौर पर यह तय था कि इस जीत के शिल्पकार भाजपा में देवेन्द्र फडणवीस ही हैं। लिहाजा मुख्यमंत्री वे ही बनेंगे। हालांकि चुनाव नतीजों के बाद जातिगत जोड़ तोड़ की कोशिशें भी हुई, लेकिन आरएसएस फडणवीस के पीछे चट्टान की तरह खड़ा रहा। इसके अलावा देवेन्द्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी पसंद हैं। देवेन्द्र की राह में कोई रोड़ा था तो वो पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे थे। शिंदे फिर से सीएम बनना चाहते थे, लेकिन वो व्यावहारिक नहीं था। पहले तो सीएम बनने पर अड़े, बाद में उन्होंने गृह मंत्रालय के लिए दबाव बनाया। साथ में वो यह भी कहते रहे कि जो मोदी, शाह कहेंगे, उसी को मानेंगे। ऐसा करके शिंदे यह संदेश देने की अनावश्यक कोशिश कर रहे थे कि मोदी शाह से उनकी सीधी ट्यूनिंग है। हालांकि बीजेपी चाहती तो शिंदे की शिवसेना के बगैर भी सरकार बना सकती थी। लेकिन शिंदे को साथ रखने के पीछे लंबी प्लानिंग है। वो ये कि भाजपा अब शिवसेना और खासकर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को पूरी तरह बेअसर करना चाहती है। चुनाव में भी उसने यही संदेश दिया कि देश में हिंदुत्व का भाजपा से बड़ा पैरोकार कोई नहीं है। उधर शिंदे के पास कोई विकल्प नहीं था। अगर वो महायुति से अलग होकर विपक्ष में बैठते तो उनकी पार्टी में बगावत हो जाती, क्योंकि जनादेश महायुति के पक्ष में आया है। दूसरे, राकांपा के अजित पवार ने परिस्थिति के भांपते हुए पहले ही देवेन्द्र फडणवीस के प्रति अपना समर्थन जता दिया था, इससे भी एकनाथ की मुश्किलें बढ़ीं। बहरहाल देवेन्द्र फडणवीस को सीएम बनाकर भाजपा ने साफ संदेश दे दिया है कि वो महाराष्ट्र को भी मप्र, गुजरात जैसी हिंदुत्व की प्रयोगशाला में तब्दील करने की दिशा में बढ़ रही है। क्योंकि हाल के विस चुनाव में लाडकी बहिण योजना के साथ साथ ‘ एक हैं तो सेफ हैं’ तथा बटेंगे तो कटेंगे’ नारे का भी अहम योगदान रहा है। खुद फडणवीस ने अपने चुनावी भाषणों में हिंदुत्व की पैरवी की। बदली परिस्थिति में एकनाथ शिंदे फडणवीस के लिए कुछ मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। लेकिन फडणवीस दबने वाले नहीं हैं। वैसे भी पार्टी को यह जीत दिलाकर उन्होंने भाजपा में अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों जो किनारे लगा दिया है। लेकिन उनके सामने चुनौतियां भी हैं। मसलन लाडकी बहिण और लाडका भाऊ योजना पर जो पैसा खर्च होगा, उसकी भरपाई कैसे होगी? पहले ही राज्य पर कर्ज और बजट घाटा बढ़ता जा रहा है। दूसरे, विकास कार्यों पर भी उन्हें पूरा ध्यान देना होगा। मराठा आरक्षण की मशाल सुलगाए मनोज जरांगे फैक्टर से भी उन्हें निपटना पड़ेगा। मराठा आरक्षण को लेकर पहले ही कई राजनीतिक पेच हैं। आरक्षण को लेकर राज्य में मराठा और ओबीसी आमने सामने हैं। इस मसले को बहुत चतुराई से सुलझाना होगा। इसके अलावा राज्य में जल्द ही स्थानीय निकायों के चुनाव भी होने वाले हैं। महायुति चाहेगी कि विस चुनाव का टेम्पो उन चुनावों में भी कायम रहे। लेकिन मुंबई महानगर पालिका को लेकर बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) के बीच टकराव हो सकता है। साथ ही चुनाव में हारे महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस, एनसीपीसी (शरद पवार) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) भी आक्रामक रुख़ अख्तियार कर सकते हैं।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देवेंद्र फडणवीस के साथ पटरी पर महाराष्ट्र की राजनीति

देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ महाराष्ट्र की राजनीति के स्थिर आयाम तक पहुंचने का संकेत मिल रहा है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणाम का स्वाभाविक राजनीतिक फलितार्थ यही हो सकता था। 2014 से देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की राजनीति के जिस दौर की शुरुआत हुई उस पर 2019 में ग्रहण लगने का कोई स्वाभाविक कारण नहीं था। भाजपा और शिवसेना दोनों को मिलाकर जनता ने 161 सीटों का बहुमत दिया था लेकिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना ने मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन देने से इनकार कर स्वयं अपनी दावेदारी पेश की। यहां से महाराष्ट्र की राजनीति अस्वाभाविक, अनैतिक और अस्थिरता के ऐसे दौर में उलझी जहां राजनीतिक विचारधारा का सबसे बड़ा संभ्रम कायम हुआ। शरद पवार के नेतृत्व में राकांपा और कांग्रेस तो राजनीतिक साझेदार थे ही लेकिन महाराष्ट्र में आक्रामक हिंदुत्व की राजनीति वाले शिवसेना ने सत्ता के नेतृत्व के लिए जिस तरह रंग बदला उसे जनता की स्थायी स्वीकृति मिलनी 2014 से भारत में आरंभ हुई राजनीति के दौर के बीच असाधारण घटना होती।

सच कहें तो महाराष्ट्र की राजनीतिक सत्ता अब स्वाभाविक विचारधारा की पटरी पर आ गई है। वैसे तो जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अंदर हुए विद्रोह ने ही संदेश दे दिया कि अस्वाभाविक वैचारिकता के घुटन को बड़ा वर्ग स्वीकार करने को तैयार नहीं। दूसरी ओर जब अजीत पवार के नेतृत्व में राकांपा भी इस ओर आ गई तो साफ हो गया कि महाराष्ट्र के सत्ता समीकरण में कांग्रेस को छोड़ किसी दल के अंदर सहजता नहीं थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ के प्रभावी प्रदर्शन ने फिर एक बार स्वाभाविक राजनीति पर ग्रहण लगाया लेकिन निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ विश्लेषक मान रहे थे कि यह भी एक अस्थाई परिघटना ही है। लोकसभा चुनाव में कई कारकों ने महाराष्ट्र के साथ उत्तर प्रदेश तथा इससे कम परिमाण में कुछ दूसरे राज्यों में अपनी भूमिका निभाई जिसे भाजपा नेतृत्व में राजग की सीटें कम हुईं। परिणाम के बाद स्वयं मतदाताओं को भी लगा उनसे गलती हो चुकी है। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में मतदाताओं ने अनुकूल परिस्थितियों, सक्षम नेतृत्व एवं समीकरणों की सहजता को देखते हुए अपना जनादेश दे दिया।

किसी भी नेता के मुख्यमंत्री बनने के बाद गठबंधन विजयी हो और सरकार में होते हुए फिर उसे पद पर न लाया जाए तो समस्या होती है। चुनाव परिणाम के बाद सरकार गठन में लगभग दो सप्ताह का समय इसी कारण लगा क्योंकि देवेंद्र को नेता के रूप में स्वीकार करने के लिए एकनाथ शिंदे को तैयार करना था या उन्हें तैयार होना था। चुनाव परिणाम से इतना तो साफ है कि एकनाथ शिंदे के विद्रोह को शिव

सैनिकों ने स्वीकार किया और उन्होंने इतने प्रभावी परिवार से पार्टी को अलग कर स्वाभाविक पटरी पर लाने की अकल्पनीय भूमिका निभाई। जून 2022 में भाजपा नेतृत्व के सामने सरकार की स्थिरता और सुदृढ़ता के लिए आवश्यक था कि शिंदे को नेतृत्व दिया जाए। भाजपा नेतृत्व ने उन्हें स्थाई रूप से मुख्यमंत्री बनाने का कोई वचन दिया होता तो वह अवश्य इसकी चर्चा करते। पूरे चुनाव अभियान के दौरान कोई भी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया गया। शिंदे के समर्थक और शिवसैनिकों का निश्चित रूप से एक बड़ा वर्ग फिर से उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहता होगा लेकिन ऐसा जारी रहना ही फिर महाराष्ट्र की राजनीति के अस्वाभाविक अस्थिर होने का कारण बन जाता। शिंदे को भी जन प्रतिक्रिया का आभास होगा एहसास हो गया होगा कि उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह से निर्मित सशक्त नेता की उनकी छवि सरकार गठन में बाधा बनने से काफी कमजोर हो रही है। उनकी वर्तमान भूमिका भविष्य पर ग्रहण लग रहा था । कह सकते हैं कि दूसरे साझेदार अजीत पवार के साथ भाजपा को बहुमत मिल गया था और इसमें शिंदे की अपरिहार्यता नहीं रह गई थी। यह सतह पर दिखने वाला एक पहलू है। भाजपा नेतृत्व को पता है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उनके लिए शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना का साथ विचारधारा के आधार पर दीर्घकालिक काम करने के लिए आज आवश्यक है।

वैसे गठबंधन में साझेदार होने के कारण अजीत पवार के मंतव्य का भी नेतृत्व के संदर्भ में महत्व था और उन्होंने भी परिपक्वता दिखाई। सच कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने दूरगामी सोच के साथ अपनी पार्टी और दोनों साझेदारों को किसी स्तर पर असंतुष्ट और नाराज होने का अवसर नहीं दिया। संघ की भी प्रभावी सक्रियता थी। यही कारण था कि सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन तक में थोड़ी बहुत हल्के फुल्के मतभेद होते हुए भी तीनों पार्टियों तथा प्रमुख नेता बिल्कुल एकजुट होकर चुनाव लड़ते रहे। किसी ने भी एक दूसरे के विरुद्ध भ्रम पैदा होने का एक बयान नहीं दिया। यहां यह ध्यान रखना जरूरी है एकनाथ शिंदे जब उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह कर बाहर आए थे तो उन्हें भी भान नहीं था कि भाजपा उनके हाथों सरकार का नेतृत्व सौंप देगी।भाजपा के पास विधानसभा में 105 सीटें थीं। जब पत्रकार वार्ता में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की घोषणा की तो उन्होंने बिल्कुल एक शत-प्रतिशत कृतज्ञ भरे भाव के साथ इसे देवेंद्र की महानता और विशेष कृपा करार दिया था। तो उनके अंदर भी यह भाव अवश्य रहा होगा कि देवेंद्र फडणवीस ही भाजपा और गठबंधन के स्वाभाविक नेता होंगे। वैसे देवेंद्र की शिंदे को गठबंधन से बाहर लाने में बहुत बड़ी भूमिका थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे और शरद पवार दोनों के विरुद्ध राजनीतिक मोर्चा खोला और पवार को तो सीधी चुनौती दी।

अब प्रश्न है कि आगे सरकार की दिशा क्या होगी? पूरे चुनाव अभियान में देवेंद्र फडणवीस की छवि एक परिपक्व व आत्मविश्वास से भरे हिन्दुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने प्रदेश में कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनका समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर आक्रमणों से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। संघ और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से इसकी हरी झंडी थी इसलिए उन्हें खुलकर सामने आने में समस्या भी नहीं हुई। इस मंच से उनके द्वारा द्वारा गाए जा रहे जागो हिंदू गीत भी वायरल था और इसका असर हुआ। भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि पहले से प्रखर हिंदुत्ववादी नेता की है। देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन का यहां से नए दौर की शुरुआत हुई है और महाराष्ट्र में भी आने वाले समय में हमें देश व प्रदेश के लिए अति आवश्यक कट्टर इस्लामवाद के विरुद्ध प्रखर हिंदुत्व की नीति साफ दिखाई देगी। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होल्कर का नाम लिया और फिर उसी श्रेणी में बाबा साहब से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य भाजपा नेताओं तथा समर्थन देने वाले विधायकों तक का उल्लेख कर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। एक है तो सेफ है और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में लगा कि मतभेद है। अजीत पवार ने योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के विरुद्ध बयान दिया। लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने अपने साक्षात्कार में स्पष्ट कह दिया कि योगी जी ने कुछ भी गलत नहीं बोला है। औरंगाबाद में उन्होंने वोट जिहाद को वोट के ध`युद्ध से पराजित करने की घोषणा की और इनका भी चमत्कारी कसर हुआ। अजीत पवार के बारे में भी उनकी टिप्पणी थी कि वह बहुत बाद गठबंधन में आए हैं और धीरे-धीरे उन्हें भी समझ में आ जाएगा। यह सरकार गठन के पूर्व भावी नीतियों को लेकर घोषणा थी। यानी गठबंधन का कोई दबाव संघ तथा भाजपा के अपने हिंदुत्व एजेंडा के मार्ग में बाधा नहीं बनेगा। यही विचारधारा शिवसेना शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के भी भाजपा के साथ बने रहने की गारंटी होगी। धीरे-धीरे शिंदे का व्यवहार भी समान्य पटरी पर आएगा। जब 5 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद देवेंद्र फडणवीस दूरगामी राजनीतिक हित को देखते हुए उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर सकते हैं तो फिर एकनाथ शिंदे क्यों नहीं?

विश्व ऊर्जा दृष्टिकोण 2024 रपट

कुमार सिद्धार्थ

लेखक अभिभाषक हैं।

भारत का ऊर्जा परिदृश्य और भविष्य की राह

हाल ही में जारी विश्व ऊर्जा दृष्टिकोण 2024 रिपोर्ट वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों, ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में किये गए प्रयासों पर केंद्रित है। यह रिपोर्ट ऊर्जा क्षेत्र में आने वाली अनिश्चितताओं और उनके समाधान के लिए नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करती है। इसमें भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के मद्देनजर इस रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है कि यदि वर्तमान नीतियों को मजबूत नहीं किया गया, तो वैश्विक तापमान इस सदी के अंत तक 2.4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। यह वृद्धि न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक होगी, बल्कि मानव समाज और आर्थिक गतिविधियों पर भी गंभीर प्रभाव डालेगी। भारत ने 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए स्मार्ट ग्रिड और स्मार्ट मीटरिंग जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है। जाहिर है ये भारत के बड़े लक्ष्य है।

रपट में यह रेखांकित किया गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौतियाँ खड़ी की हैं। इसके परिणामस्वरूप तेल और गैस की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं उत्पन्न हुई हैं, इससे दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा के प्रति चिंता बढ़ी है। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, ने स्वदेशी संसाधनों को बढ़ावा देने और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाए हैं। इसके तहत स्वदेशी ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि, सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों का उपयोग, और आपातकालीन तेल भंडार का निर्माण जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हुई प्रगति ने ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक नई क्रांति ला दी है। वर्ष 2023 में 560 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई, जो दर्शाता है कि विश्व स्वच्छ ऊर्जा के प्रति तेजी से अग्रसर हो रहा है। भारत ने भी इस दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने, हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार करने और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ बनाई गई हैं। उज्ज्वला योजना जैसी नीतियों के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि अगले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में वृद्धि होगी, जिसमें भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों की प्रमुख भूमिका होगी। शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की तेज़ रफ्तार के कारण, भारत का भवन निर्माण क्षेत्र हर साल एक अरब वर्ग मीटर से अधिक का क्षेत्र जोड़ने जा रहा है। इसके साथ ही, लोहे और इस्पात उत्पादन में 70 फीसदी की वृद्धि और सीमेंट उत्पादन में 55 फीसदी की वृद्धि की संभावना है। बढ़ते हुए मध्यम वर्ग और बदलती जलवायु परिस्थितियों के कारण, एयर कंडीशनरों की मांग 4.5 गुना तक बढ़ने की संभावना है, जिससे बिजली की खपत में भारी बढ़ोतरी होगी।

भारत की ऊर्जा नीति का एक अहम पहलू कोयले का उपयोग है, जो अभी भी ऊर्जा उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। सन् 2030 तक, 60 गीगावाट कोयले की क्षमता जोड़ी जाएगी, जिससे कोयले से बिजली उत्पादन में 15 फीसदी की वृद्धि होगी। हालांकि, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को तेजी से बढ़ावा दिया है। सन् 2035 तक, देश की बिजली उत्पादन क्षमता तीन गुना हो जाने की संभावना है, जिसमें प्रमुख योगदान नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का होगा।

परिवहन क्षेत्र में, भारत विद्युतीकरण की ओर कदम बढ़ा रहा है। सार्वजनिक परिवहन और दो/तीन पहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाने के लिए कई पहलें की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना, जो वर्ष 2024 में लागू की गई, के तहत 2.8 मिलियन इलेक्ट्रिक दो/तीन पहिया वाहनों और 14,000 इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही, फास्ट चार्जर्स की स्थापना के लिए भी व्यापक योजनाएं बनाई जा रही हैं।

विश्व ऊर्जा दृष्टिकोण 2024 रिपोर्ट में स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच को बढ़ाने के लिए नवाचार और वित्तीय निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। भारत ने ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में माइक्रोग्रिड और सोलर होम सिस्टम का विस्तार किया। नवीकरणीय ऊर्जा में निजी और अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतिगत सुधार किए जा रहे हैं।

भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में एक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सन् 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा खपत में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 50 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और हरित प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए किए गए प्रयास भारत को एक वैश्विक ऊर्जा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे।

स्वच्छ ऊर्जा का बढ़ता उपयोग न केवल पर्यावरण की सुरक्षा के लिए लाभकारी है, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था और समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और ऊर्जा उत्पादन की लागत में कमी आ रही है। इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है और गरीब वर्ग को आधुनिक ऊर्जा सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और ऊर्जा क्षेत्र को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सरकार की नीतियां और योजनाएं प्रभावी साबित हो रही हैं। 2035 तक, भारत की कुल CO_2 उत्सर्जन 2.5 बिलियन टन तक पहुँचने की संभावना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक निवेश और नीति सुधार आवश्यक होंगे।

विश्व ऊर्जा दृष्टिकोण 2024 रिपोर्ट दरअसल वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं और भारत के प्रयासों को स्पष्ट रूप से सामने लाती है। ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के प्रयास अन्य देशों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। सरकार, उद्योग और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों के माध्यम से भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा स्थिरता और जलवायु सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

यह रपट नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के लिए एक दिशा प्रदान करती है, ताकि स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध ऊर्जा भविष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाया जा सके। भारत अपनी मजबूत ऊर्जा नीतियों और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ न केवल एक ऊर्जा महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए एक मिसाल स्थापित कर रहा है। आने वाले दशक में भारत की ऊर्जा नीति और योजनाएं, इस विशाल देश के भविष्य को न केवल उज्जवल बनाएंगी, बल्कि दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेंगी।

परिवार : मंदिर बने, अपराधों का अड्डा नहीं

दृष्टिकोण

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक साइकियाट्रिस्ट एंड साइकोलॉजिकल एनालिस्ट है।

परिवार हमारे समाज की नींव है, जहां प्रेम, विश्वास और सहानुभूति की दीवारें खड़ी होती हैं। लेकिन जब परिवार के भीतर संघर्ष, तनाव और संवादहीनता जगह लेती है, तो यह कभी-कभी अपराध का रूप ले लेता है। हाल ही में भोपाल में एक पुलिसकर्मी द्वारा अपनी पत्नी और साली की हत्या जैसी घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि परिवार के भीतर बढ़ता तनाव और असंतोष कैसे घातक हो सकता है। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि परिवार, जिसे एक मंदिर के रूप में देखा जाता है, वह अपराधों का अड्डा क्यों बनता जा रहा है?

परिवार के सदस्यों के बीच संवाद की कमी सबसे बड़ा कारण है। अपनी भावनाओं और समस्याओं को न व्यक्त कर पाना अक्सर गलतफहमियों और गुस्से का रूप ले लेता है। रिश्तों में असुरक्षा, ईर्ष्या और तुलना पारिवारिक माहौल को विषाक्त बना देती है। अक्सर मानसिक तनाव, डिप्रेशन और गुस्से जैसे मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जो अंततः हिंसा का कारण बन सकते हैं। पारिवारिक संपत्ति और अधिकार को लेकर झगड़े, चाहे वह बड़े हों या छोटे, गहरी दरारें पैदा कर देते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए परिवार के भीतर खुलकर बातचीत को प्राथमिकता देना जरूरी है। एक-दूसरे को सुनने और समझने की आदत डालनी चाहिए। रिश्तों में सहानुभूति और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान परिवार को मजबूत बनाता है। किसी भी सदस्य में मानसिक तनाव के संकेत दिखें, तो उसे नजरअंदाज न करें। जरूरत पड़े तो मनोचिकित्सक की मदद लें। साथ में समय बिताने और पारिवारिक गतिविधियों से रिश्ते मजबूत होते हैं। कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना और संवेदनशीलता दिखाना भी बेहद जरूरी है।

परिवार को अपराध का अड्डा बनने से बचाने के लिए आपसी संवाद, सहानुभूति और मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी है। परिवार को एक मंदिर बनाए रखना हमारे व्यवहार पर निर्भर करता है। जहां प्रेम और संवाद होगा, वहां अपराध की जगह नहीं होगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

‘सुबह सवेरे’ में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश रायकवार

लेखक व्यंग्यकार हैं

तब तो देश की नई राजधानी बन गया इंदौर

जबसे एक समाचार चैनल के माध्यम से यह खबर आई है कि देश की राजधानी बदलने वाली है और नए स्थान के चयन की सूची में अपने इंदौर का स्थान प्रथम पायदान पर है, शहर के हर निवासी के मन में लड्डू फूट रहे है। वैसे तो देश की राजधानी बदलने का जो निर्णय सन् 47 में आजादी के तुरंत बाद हो जाना चाहिए था उसकी सुगबुगाहट अब सुनाई दे रही है। किन्तु क्या करें अपने देश में न्यायालय से लेकर संसद तक निर्णय होने की यही गति है चाल है, फिर भी कह सकते है देर आए दुरुस्त आए अथवा जब जागे तभी सवेरा।

इस समाचार से शहर में सभी ओर उत्साह की लहर नजर आ रही है, व्यापारियों को अपने व्यापार में वृद्धि तो निवासियों को शहर की समृद्धि दिखाई दे रही है। बेरोजगारों को नई नौकरियों की आस बढ़ी है तो भू-माफियाओं तथा प्रापर्टी व्यवसाईयों की कमाने की प्यास। सरकारी विभाग के कर्मचारी अधिकारी बिना किसी मंहगाई भत्ते या वेतन में वृद्धि हुए प्रसन्न हो रहे हैं। उन्हे ऐसा लग रहा है कि उनका जनरल प्रमोशन हो गया है, कुछ ने तो अभी से अपने सेवा शुल्क भी बढ़ा दिये है। होटल वालों ने होटलों का जीर्णोद्धार और रंग-रोगन प्रारम्भ कर दिया है और कमरों का किराया दुगुना कर दिया है। हर मकान मालिक अपने मकान में अतिरिक्त कमरों का निर्माण कर या तो पेइंग गेस्ट रखने की योजना बना रहा है या किराये पर चढ़ाने का विचार करने लगा है। इधर पोहा जलेबी और चाय वाले अपनी-अपनी तरह से योजना बना रहे है। नमकीन के व्यापारी विचार कर रहे हैं कि इंदौर आने वाले हर विदेशी मेहमान को बिदाई में इंदौरी सेंव उपहार में दी जाए ताकि उनकी यह सेंव दुनिया के हर देश में पहुँच सके। प्राथमिक शाला स्तर से लेकर कॉलेज स्तर तक की सभी शिक्षण संस्थाओं में निबंध और वाद विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है जिसका विषय है ‘यदि मेरा शहर देश की राजधानी होता।’ खिलाड़ियों में, साहित्यकारों में और कलाकारों में भी नई ऊर्जा का संचार हो गया है। वहीं हमारे पत्रकार बंधु भी बड़े नेताओं तथा विदेशी मेहमानों से कैसे बात की जाएगी, उसकी तैयारी करने लगे हैं। कुछ पत्रकारों ने तो अङ्ग्रेज़ी सीखने के लिए क्लास भी ज्वाइन कर ली है।

और हाँ! अपने स्थानीय भियाओं (नेताओं) की तो पूछिए ही मत, हर भिया अपने को प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्री जैसा समझने लगा है।

शहरवासी अभी तक तो स्वच्छता रखने के बदले नगर निगम को केवल बढ़ा हुआ टेक्स या दण्ड अथवा नए नए करों की राशि भुगतान कर-कर के ही परेशान थे किन्तु सात वर्षों में आज पहली बार लगा कि शहर को स्वच्छता में प्रथम रखने का कुछ लाभ भी हो सकता है।

एक प्रसिद्ध हलवाई से बात हुई तो कहने लगा, बाबूजी! अब तो संसद में मेरी शुद्ध घी में तर मालवी, दाल-बाटी-चूरमा की डिमांड रहेगी और देशी विदेशी सभी मेहमानों को यही दाल-बाटी-चूरमा परोसा जाएगा। अब तो अमेरिका का राष्ट्रपति ट्रम्प भी जब राजधानी इंदौर आएगा तो उसे भी यही दाल-बाटी-चूरमा खिलाऊँगा, भूल जाएगा वो पिज्जा-बर्गर का स्वाद।

एक प्रबुद्ध व्यक्ति कहने लगे - हमारा शहर देश की राजधानी होने के लिए सर्वथा उपयुक्त स्थान है यहाँ की जलवायु, भौगोलिक स्थिति अत्यंत अनुकूल है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत सुरक्षित, सामरिक तौर पर भी महू छावनी और रेवती रेंज आस-पास हैं, जहां सेना के मुख्यालय बनाए जा सकते हैं। संसद भवन के लिए पूर्व में बायपास से आगे या पश्चिम में पितृ पर्वत से हातोद के बीच अथवा उत्तर में देवास तक या दक्षिण में महू तक कोई भी जगह चुनी जा सकती है। स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस पर झंडावंदन के लिए भी लालकिले के स्थान पर हमारे दशहरा मैदान या राजबाड़ा पर विचार किया जा सकता है। हमारा शहर वैसे भी मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी तो है ही और इसका नाम भी देवताओं के राजा इन्द्र के नाम पर ही इंदौर है, अतः देश की राजधानी होने में भी कोई अड़चन नहीं होना चाहिए।

किन्तु एक पर्यावरण प्रेमी शिकायत करते हुए कहने लगे ङ्क राजधानी होने से हमारे शहर की सुंदरता समाप्त हो जाएगी, देखते नहीं दिल्ली को! विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में टॉप है। सड़कों पर गाड़ी-घोड़ों का लंबा-लंबा जाम, कान फोड़ु हॉर्न, धुआँ आदि, धरना प्रदर्शन वालों की भीड़, दिन-रात वीआईपी गाड़ियों की आवाजाही, हवाई जहाजों की आवाज़, शहर में पहले ही समस्याएँ क्या कम है? अंत में जब एक ज्योतिषाचार्य से पूछा कि हमारे शहर के देश की राजधानी होने की क्या संभावना बन रही है, तो कहने लगे -अभी इंदौर पर गुरु और शुक्र दोनों की सीधी दृष्टि पड़ रही है और मंगल तथा शनि ग्रह भी अनुकूल है अतः राजधानी बनने की पूरी पूरी संभावना है। किन्तु आगामी माह गुरु और मंगल की वक्र दृष्टि होते ही कहा नहीं जा सकता की क्या होगा। देश की राजधानी बदलेगी अथवा नहीं और बदलेगी भी तो इंदौर राजधानी होगी या नहीं यह तो भविष्य तय करेगा किन्तु फिलहाल तो गालिब का यह शेर ही मोजूं लगता है ‘हमको मालूम है जन्नत की हकीकत लेकिन, दिल को खुश रखने को ‘गालिब’ ये खयाल अच्छा है।’

सेहत

सुनिधि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

बच्चों में मधुमेह और तनाव की स्थिति चिंताजनक

बदलती जीवनशैली के साथ साथ, आज कल बच्चों में तनाव भी बहुत ज़्यादा बढ़ रहा है जिसका सीधा प्रभाव उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। बाल्यकाल की अवस्था से ही बच्चों के ऊपर पढ़ने का दबाव, विभिन्न प्रकार के परीक्षा में पास होने का दबाव और साथ ही उनकी बदलती ख़ान पान की आदतें उन्हें बीमारी की तरफ़ अग्रसर कर रही हैं। इन्ही बीमारियों में से, वर्तमान समय में बाल मधुमेह एक उभरती हुई बीमारी है- इसे 'किशोर-मधुमेह' के रूप में भी जाना जाता है (क्योंकि यह ज़्यादातर 14-16 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करता है), और इसे टाइप-1 मधुमेह भी कहा जाता है। यह तब होता है जब अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में विफल रहता है। तनाव इसका एक बहुत प्रमुख कारण है, पिछले वर्षों से ही अखबारों में हर दिन किसी बच्चे के आत्महाया करने की सूचना प्रकाशित का सिलसिला बढ़ गया है, और यह देखा गया है कि तनाव में आने के बाद बच्चे अक्सर इस तरह का कदम उठा लेते है।

वर्तमान समय में भारत में सबसे आबादी वाला देश बन गया है और इसी के साथ साथ भारत बीमारियों का भी घर बनता जा रहा है। ये बीमारिया ना केवल बड़े बुजुर्ग को प्रभावित कर रही है बल्कि इसका अच्छा छोटे बच्चों में भी देखा जा रहा है। आज कल की बदलती जीवनशैली ने सभी सबसे ज़्यादा प्रभाव छोटे बच्चों पे डाला है। बदलती जीवनशैली के साथ साथ, आज कल बच्चों में तनाव भी बहुत ज़्यादा बढ़ रहा है जिसका सीधा प्रभाव उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पे पड़ रहा है। बाल्यकाल की अवस्था से ही बच्चों के ऊपर पढ़ने का दबाव, विभिन्न प्रकार के परीक्षा में पास होने का दबाव और साथ ही उनकी बदलती ख़ान पान की आदते उन्हें बीमारी की तरफ़ अग्रसर कर रही है। इन्ही बीमारियो में से, वर्तमान समय में बाल मधुमेह एक उभरती हुई बीमारी है- इसे 'किशोर-मधुमेह' के रूप में भी जाना जाता है (क्योंकि यह ज़्यादातर 14-16 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रभावित करता है), और इसे टाइप-1 मधुमेह भी कहा जाता है। यह तब होता है जब अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन करने में विफल रहता है। तनाव इसका एक बहुत प्रमुख कारण है, पिछले वर्षों से ही अखबारों में हर दिन किसी बच्चे के आत्महाया करने की सूचना प्रकाशित का सिलसिला बढ़ गया है, और यह देखा गया है कि तनाव में आने के बाद बच्चे अक्सर इस तरह का कदम उठा लेते है। जब कोई भी बच्चा बहुत ज़्यादा तनाव लेता है तो उसके शरीर में कोर्टिसॉल नामक हार्मोन स्त्रावित होता है जिससे बचो में डिप्रेशन और अन्य शारीरिक समस्याएँ उत्पन्न होती है। इस हार्मोन के कारण ही इन्सुलिन के उत्पादन में समस्या होती है और इस बात के भूत ज़्यादा आसार होते है की बच्चे को बाल मधुमेह हो।

विश्व में टाइप-1 मधुमेह से पीड़ित 10 लाख बच्चों और किशोरों में से सबसे अधिक संख्या भारत में है। यह भी पाया गया है कि भारत में टाइप-1 मधुमेह से पीड़ित 2.5 लाख लोगों में से 90,000 से 1 लाख लोग 14 वर्ष से कम आयु के हैं जो की एक गंभीर चिंता का विषय है। बाल मधुमेह मेलिटस एक जटिल और बहुआयामी स्वास्थ्य चुनौती है जो वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बन गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विश्व भर में बाल मधुमेह के मामलों में पिछले दशक में 40त्न की वृद्धि हुई है, जिसमें तनाव एक महत्वपूर्ण योगदानकारी कारक के रूप में उभरा है। भारत में, राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और वृद्ध स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में मधुमेह के मामले 2010 में लगभग 26,000 थे, जो 2022 तक बढ़कर 97,000 हो गए हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधान ने स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि तनाव और मधुमेह के बीच एक जटिल जैविक संबंध विद्यमान है। जब बच्चे तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन अधिक मात्रा में स्त्रावित होते हैं। ये हार्मोन शरीर की चयापचय प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं और इंसुलिन प्रतिरोध को बढ़ावा दे सकते हैं। 2023 में 'डायबिटीज केयर' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि लगातार मनोवैज्ञानिक तनाव के कारण निम्न परिणाम हो सकते हैं: ग्लूकोज चयापचय में असंतुलन, इंसुलिन संवेदनशीलता में कमी, मेटाबॉलिक प्रतिक्रियाओं में परिवर्तन इत्यादि।

मधुमेह मेलिटस एक जटिल स्वास्थ्य चुनौती है जो बच्चों में तेजी से बढ़ रही है, जहाँ तनाव एक महत्वपूर्ण निर्धारक कारक के रूप में उभरा है। हाल के शोध अध्ययनों ने स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि मनोवैज्ञानिक तनाव और इंसुलिन प्रतिरोध के बीच एक जटिल संबंध विद्यमान है। 2022 में प्रकाशित एक व्यापक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि तनाव के कारण कॉर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ने से ग्लूकोज चयापचय में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। भारत में, राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और वृद्ध स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, बाल मधुमेह के मामले पिछले दशक में 35त्न तक बढ़ गए हैं, जिसमें तनाव एक प्रमुख योगदानकारी कारक है।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि बच्चों में तनाव के कारण नॉरएपिनेफ्रिन और एपिनेफ्रिन जैसे हार्मोन अधिक मात्रा में स्त्रावित होते हैं, जो इंसुलिन की कार्यक्षमता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। एक महत्वपूर्ण अध्ययन जो 2023 में 'डायबिटीज केयर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ, उसने 500 बच्चों पर शोध के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि जो बच्चे अधिक तीव्र मनोवैज्ञानिक तनाव का अनुभव करते हैं, उनमें मधुमेह विकसित होने का जोखिम 2.7 गुना अधिक होता है। शैक्षणिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं, परिवारिक संघर्ष और तकनीकी उपकरणों के अधिक उपयोग जैसे कारक बच्चों में तनाव के प्रमुख स्त्रोत माने जाते हैं।

आज के समय में, मधुमेह प्रबंधन बहुत आसान हो गया है। आधुनिक तकनीक, बेहतर इंसुलिन, और लगातार चिकित्सा अनुसंधान ने बच्चों को एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जीने में मदद की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चा अपनी बीमारी को एक बाधा नहीं, बल्कि एक चुनौती के रूप में देखे। परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। प्यार, समझ, और निरंतर समर्थन से बच्चा न केवल मधुमेह का प्रबंधन कर सकता है, बल्कि अपने सपनों को भी पूरा कर सकता है। खेल, पढ़ाई, या अपनी रुचि के क्षेत्र में - कुछ भी असंभव नहीं है। मनोवैज्ञानिक और चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि तनाव प्रबंधन बाल मधुमेह के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मनोवैज्ञानिक समर्थन भी महत्वपूर्ण है। कभी-कभी बातचीत, परामर्श, या समर्थन समूह एक बच्चे को अपनी भावनाओं को समझने और उन्हें संभालने में मदद कर सकते हैं। याद रखें, हर भावना सही है और उसे महत्व दिया जाना चाहिए। योग, ध्यान, नियमित व्यायाम और परामर्श जैसी रणनीतियां न केवल तनाव को कम करने में सहायक होती हैं, बल्कि मधुमेह के प्रबंधन में भी सहायक होती हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का सुझाव है कि बच्चों में मधुमेह के जोखिम को कम करने के लिए मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जीवन शैली में छोटे-छोटे बदलाव बड़ा अंतर ला सकते हैं। नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, पर्याप्त नींद, और तनाव कम करने वाली गतिविधियाँ - ये सब मधुमेह के साथ जीवन को आसान बना सकते हैं।

वक्रोक्ति

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

तब ये अवॉर्ड खरीदना कितना आसान होता

फेसबुक पर समय सार्थक करो या वाटसअप समूहों में ज्ञानार्जन का पुण्य कार्य या फिर सुबह सुबह समाचार पत्र के पृष्ठ पलटों यही समाचार मिलता है कि साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में अवॉर्ड मिल रहे हैं मतलब थोक में बंट रहे हैं। लेने वाला चाहिए। लालच बुरी बला है पर बचा कौन? राम भी सोने का हिरण देखकर दौड़ पड़े मैं भी ऐसे हिरण के लालच में एक रात फेसबुक के दो चार बटन दबा बैठा। फिर जो हुआ प्रस्तुत है।

सुबह की चाय पीते-पीते मोबाइल की घंटी बजी। आवाज आई-सर मेरी बात धर्मेंद्र जी से हो रही है? किसी स्त्री का आकर्षक स्वर था। बची खुची नींद तुरत भाग गई। स्वर में युवा होने की खनक महसूसते ही मैंने अपनी भारी आवाज को भरसक मुलायम बनाने का प्रयास करते हुए कहा-जी हां कहिये।

- सर मैं इंटरनेशनल सुपर ब्रिलियंट अवार्डस इवेंट की तरफ से बोल रही हूं।ये अवॉर्ड अंडमान निकोबार में एक जनवरी को सावरकर जी वाली सेल में दिये जायेंगे।आपका नाम हमारी लिस्ट में आया है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र के बड़े बड़े उद्योगपति व्यवसायी कलाकार आते हैं। बाइ द वे आप क्या करते हैं

- मैंने गर्व से कहा-मैं राइटर हूं। मेरी कुछ किताबें पब्लिश हुई हैं।

-अरे! ओह! आप राइटर हैं लगा कि उसे भारी अफसोस हुआ है। जैसे मुख्यमंत्री होने की उम्मीद पाले व्यक्ति को राज्य मंत्री बनने का प्रस्ताव मिले। उसकी मरी हुई आवाज से लगा कि सुबह सुबह किसे फोन लगा दिया? बोनी खराब हो गई। फिर भी उसने बुझे स्वर में कहा-चलिये कोई बात नहीं सर, इसमें नामीनेशन करना है जोकि गूगल फार्म है। आपको कम्पलीट प्रोफाइल सबमिट करनी है। यदि आपकी प्रोफाइल शार्ट लिस्ट होती है तो फाइनली मेल के थ्रो अपडेट किया जाता है। कुछ चार्जेस एप्लीकेबल होते हैं जो आपके प्रमोशन,एकोमडेशन, हास्पटिलिटी, मीडिया कवरेज के लिए चार्ज किये जाते हैं।

- अपनी गांठ से पैसे लगने की बात जानकर मैंने डरते-डरते पूछा-ये चार्जेस लगभग कितने होते हैं।

- सर वो डिफरेंट केटेगरी के एकोरडिंग होते हैं। बेनीफिट के अकोरडिंग। ये नंबर आपका वाटसअप पर एवेलेबल है सर।

- जी। मैंने सामान्य स्वर में कहा। क्योंकि तब तक पैसे खर्चने की बात सुनकर मेरा उत्साह लगभग मर चुका था।

- ओ. के. तो मैं वाटसअप पर इसके एकोरडिंग कम्पलीट डिटेल्स ब्रोशर सेंड कर देती हूं।ब्रोशर के अंदर सारी डिटेल बेनीफिट मेंशन हैं। बेनीफिट एंड चार्जेस। आप देख लीजिये और नॉमिनेशन फार्म फिल कीजियेगा। ओ. के सर थैंक्यूं कहकर उसने फोन काट दिया ताकि उसका टेम खोटा न हो।

वाट्सअप पर देखा तो मैसेज आ चुका था।उसमें वाकई चार पैकेज थे। पन्द्रह हजार से डेढ़ लाख तक के। हर आय वर्ग की ज़रूरत के मुताबिक ताकि न कोई निराश हो और न कोई उनके धंधे में उनके पंजों से छूटे।

उन पैकेजों के बेनीफिट समझ ही रहा था कि मोबाइल की घंटी फिर बजने लगी।

कनेक्ट होते ही कानों को ठंडक पहुंचाती आवाज आई-कांग्रेच्यूलेशन सर। आपका नाम नॉन एक्सीलेंस एवार्ड के लिए सिलेक्ट हो गया है।अब आप बताइये सर कि आप कोलकाता बेंगलोर मुम्बई मथुरा वृंदावन पटना काठमांडू में से कहां की अवार्ड सेरेमनी में शामिल होना चाहेंगे।

मैं कुछ कहता या पूछता उसकी परवाह किये बिना वाग्देवी ने बोलना जारी रखा। सर दरअसल सबके अलग-अलग रेट हैं। जनरली हमारे पैकेज में एक सिल्वर पैकेज है।ये सोलह हजार का है। इसमें पर्सनली आपका नाम बोला जायेगा। नेशनल लेवल की हस्ती आपको अवार्ड देगी। आपके फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे। पचास से अधिक न्यूज पेपर कवर करेंगे। आपको डिज़ाइनर ट्राफी और सर्टिफिकेट के साथ एक व्यक्ति के लिए लंच और चाय का एक पास भी फ्री मिलेगा जो आप अपनी जगह किसी और को भी दे सकते हैं। दूसरा गोल्ड पैकेज है।ये चालीस हजार का है वैसे तो ये साठ हजार का है मगर अभी बीस हजार का डिसकांउट है।इसमें सिल्वर पैकेज के बेनीफिट के साथ आपको अवॉर्ड चीफ गेस्ट के हाथों से दिया जायेगा। स्टेज से आपका परिचय भी दिया जायेगा। पचास की जगह सौ न्यूज़ पेपर में कवरेज़ होगा।हमारी बेवसाइट पर आपका नाम और फोटो भी डाला जायेगा। आपके लिए प्रमोशनल केम्पेन होगा।तीसरा पैकेज सुपर गोल्ड है। ये अभी एक लाख बीस हजार की जगह केवल पिच्यासी हजार में दिया जा रहा है।इसमें गोल्ड पैकेज के बेनीफिट के अलावा आपको या आपके किसी ब्रांड को भी प्रमोट किया जायेगा। आपके लिए एक बड़ा फ् लेक्स बेनर होगा।आपके साथ एक और व्यक्ति के लिए लंच एंड टी का पास और वहां घूमने दो रात रुकने की फेसिलिटी भी दी जायेगी। आप अपने वाइफ या हसबेंड के साथ भी आ सकते हैं।उसकी आवाज़ की टोन से ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी और के साथ भी आने की उम्मीद में हो।

- और सर हमारा आखिरी डायमंड पैकेज है। यह दो लाख का है पर पचास हजार के डिसकांउट में वन एंड हाफ लेक का है।इसमें आप अदर बेनीफिट के साथ चीफ गेस्ट के साथ लंच लेंगे। आपका स्टेज बैनर में फोटो भी होगा और स्टेज से बोलने का मौका भी मिलेगा। आपकी किताब या प्रोडक्ट या कम्पनी का लोगो भी होगा।पर ये जो चार्जेस बतायें हैं इनमें जी.एस.टी. अलग से एप्लीकेबल है।

- मैंने मुरझाये स्वर में पूछा कि वो कितना है उसने बताया कि वैसे तो अठ्ठाइस परसेंट हैं पर सरकार से उनकी बात चल रही है शायद इवेंट के दिन तक कम हो जाये।

मैंने सोच में डूब गया कि इसमें प्लेटिनम पैकेज होता तो उसमें और क्या होता? लेकिन इतना महंगा अवार्ड हिंदी का फटीचर तो खरीद नहीं सकता।काश बचपन में अंग्रेजी की क्लास से न भागता तो आज इंग्लिश का राइटर होता। तब सम्मान या तो खुद ब खुद मिलते या मेरी ही उन्हें खरीदने की औक़ात होती।पर अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

सरकारी नौकरी होती ऊपरी कमाई होती पेंशन मिल रही होती तो ये अवॉर्ड खरीदना कितना आसान होता है कि नहीं?

सशत्र सेना झंडा दिवस

बाल मुकुन्द ओझा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सशस्त्र बलों के पराक्रम और बलिदान को सलाम

देश की सीमा की सुरक्षा नौसेना, थल सेना एवं वायु सेना करती है। भारतीय सेना झंडा दिवस तीनों सेनाओं के जवानों के कल्याण के लिए मनाया जाता है। इस दिन शहीदों और वीर सेनानियों के उन लोगों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के किए दुश्मनों का मुकाबला किया है और अपना सब कुछ देश के नाम कर दिया है। सशस्त्र झंडा दिवस पर जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति नागरिक एकजुटता प्रदर्शित करने का दिन है। हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि वे सात दिसंबर को सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण में अपना योगदान दें। इस दिन जो राशि एकत्र की जाती है। वह झंडा दिवस कोष में जमा कर दी जाती है। इस राशि का इस्तेमाल युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिवार, हताहत हुए सैनिकों के कल्याण व पुनर्वास में खर्च की जाती है। यह राशि सैनिक कल्याण बोर्ड की माध्यम से खर्च की जाती है। देश के हर नागरिक को चाहिए कि वह झंडा दिवस कोष में अपना योगदान देकर देश के झंडे का सम्मान हमेशा बनाए रखे ।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1949 से हर साल 7 दिसंबर को मनाया जाता है। झंडा दिवस का उद्देश्य भारत की जनता द्वारा देश की सेना के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान प्रकट करना है। सरहद की रक्षा के लिए हमारे जवान रात-दिन मुस्तैदी से राष्ट्र की सेवा में लगे रहते हैं। तिरंगे की रक्षा के साथ ही सैन्य फ्लैग उनकी आन-बान-शान का प्रतीक है। झंडा दिवस यानी देश की सेना के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन। उन जांबाज सैनिकों के प्रति एकजुटता दिखाने का दिन, जो देश की तरफ आंख उठाकर देखने वालों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। देश की सीमा की सुरक्षा नौसेना, थल सेना एवं वायु सेना करती है। भारतीय सेना झंडा दिवस तीनों सेनाओं के जवानों के कल्याण के लिए मनाया जाता है। इस दिन शहीदों और वीर सेनानियों के उन लोगों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के किए दुश्मनों का मुकाबला किया है और अपना सब कुछ देश के नाम कर दिया है। सशस्त्र झंडा दिवस पर जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति नागरिक एकजुटता प्रदर्शित करने का दिन है। हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि वे सात दिसंबर को सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण में अपना योगदान दें। इस दिन जो राशि एकत्र की जाती है। वह झंडा दिवस कोष में जमा कर दी जाती है। इस राशि का इस्तेमाल युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिवार, हताहत हुए सैनिकों के कल्याण व पुनर्वास में खर्च की जाती है। यह राशि सैनिक कल्याण बोर्ड की माध्यम से खर्च की जाती है। देश के हर नागरिक को चाहिए कि वह झंडा दिवस कोष में अपना योगदान देकर देश के झंडे का सम्मान हमेशा बनाए रखे ।

7 दिसंबर, 1949 से शुरू हुआ यह सफर आज तक जारी है। आजादी के तुरंत बाद सरकार को लगने लगा कि सैनिकों के परिवार वालों की भी जरूरतों का ख्याल रखने की आवश्यकता है और इसलिए 7 दिसंबर को झंडा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इसके पीछे सोच थी कि जनता में छोटे-छोटे झंडे बांट कर दान अर्जित किया जाएगा जिसका फायदा शहीद सैनिकों के आश्रितों को होगा। शुरूआत में इसे झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता था लेकिन 1993 से इसे सशस्त्र सेना झंडा दिवस का रूप दे दिया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरु ने कहा था, मैंने भारत और चीन के बॉर्डर का दौरा किया। मैं सेना के अधिकारियों और जवानों से मिला जो वहां पर अंतराष्ट्रीय मिशन से जुड़े हुए थे। मुझे उन्हें देखकर एक अजीब सा रोमांच पैदा हुआ जब मैंने देखा कि वह कैसे अपने अच्छे काम को एक ऐसी जगह पर अंजाम दे रहे हैं जो घर से काफी दूर और सूनसान है। उन्होंने आगे कहा, इससे भी ज्यादा मुझे यह देखकर काफी अच्छा लगा कि सैनिक आम जनता के बीच भी काफी लोकप्रिय थे। मुझे उम्मीद है कि देशवासी उनसे कुछ सीखेंगे और उनकी प्रशंसा करेंगे। फ्लैग डे फंड में योगदान देना भी उनकी इसी प्रशंसा का एक हिस्सा है। मोदी सरकार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और परिवार के साथ बिताये जाने वाले समय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है, जो बहुत कठिन परिस्थितियों में भारत के सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम वैज्ञानिक रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रहे हैं कि प्रत्येक जवान को हर साल अपने परिवारों के साथ 100 दिन बिताने का मौका मिले। आज के दिन लोगों को सैनिकों के कल्याण व सम्मान के लिए गहरे लाल व नीले रंग के झंडे के स्टीकर देकर धनराशि एकत्रित की जाती हैं। झंडा दिवस पर सशस्त्र बलों में योगदान देने के लिए ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं या चेक या सीधे बैंक जमा कर सकते हैं। आम लोगों से एकत्र किये गये फंड का उपयोग जरूरतमंद पूर्व सैनिकों, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं, उनके आश्रितों और उनके पुनर्वास में शामिल संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह शहीदों और सैनिकों के परिवारों का ख्याल रखना देश के सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बल 1.4 मिलियन से अधिक सक्रिहृय कर्मियों की ताकत के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है। साथ ही, यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वयंसेवी सेना है। अतः आप भी झण्डा दिवस कोष में अपना योगदान दें।

तेज रफ्तार कार खेत में घुसी पुलिस कर रही जांच

बैतूल। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सडक़ से नीचे उतर गई। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा बैतूल बाजार के पास परसोडी मार्ग पर जगदर जोड़ के पास हुआ। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार सवारों की जानकारी जुटा रही है, लेकिन अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है की बीती रात को तेज रफ्तार यह सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी 48, जेडसी 1589 इस मार्ग से गुजरी और अनियंत्रित होकर सडक़ से नीचे खेत में बनी नाली में उतर गई, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई है। फिलहाल कार मौके पर ही फंसी हुई है, जिसे लेने कोई नहीं पहुंचा है। बैतूल बाजार पुलिस में उप निरीक्षक संजय कलम ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे थे। वाहन के नंबर के आधार पर मालिक की जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। सिर्फ इतनी जानकारी मिली है कि इस कार में एक व्यक्ति सवार था, जिसे मामूली चोट आई है।

बैतूल में पुष्पा-2 देखने आए दो पक्षों में मारपीट

बैतूल। गंज क्षेत्र के कांतिशिवा सिनेमाघर में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने लात-घुसों से मारपीट शुरू कर दी। सिनेमाघर के कर्मचारियों ने दोनों पक्षों को अलग किया। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है। लेकिन मारपीट की शिकायत थाने में दर्ज नहीं कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साउथ के फेमस एक्टर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा-2 गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। बैतूल में भी यह फिल्म कांतिशिवा सिनेमाघर में दिखाई जा रही थी। स्क्रीन-1 में गुरुवार रात बड़ी संख्या में दर्शक पुष्पा-2 देखने पहुंचे थे। रात का आखिरी शो सवा 10 बजे शुरू होना था। दर्शक अपनी-अपनी सीट पर बैठ ही रहे थे कि अचानक से युवकों के दो गुट में बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों ने एक-दूसरे को पीटना शुरू कर दिया। दर्शकों ने बीच-बचाव करने प्रयास किया, लेकिन विवाद रुका नहीं। काफी देर तक चले हंगामे को कर्मचारियों से शांत करवाया। बताया जा रहा है कि पूरा माजरा सीट को लेकर था। विवाद की वजह से 10.15 बजे शुरू होने वाला लेट शुरू हुआ। इस संबंध में टॉकीज के संचालक विवेक मालवीय ने कहा कि दो चार लोग झगड़े थे। उन्हें बाहर जाकर झगडने को कहकर अलग कर दिया गया था। झगड़ा क्यों हुआ, मालूम नहीं है। इधर टीआई अरविंद कुमार ने बताया कि झगड़े की कोई शिकायत अब तक नहीं मिली है। यदि कोई पक्ष आता है तो जांच कर कार्रवाई करेंगे।

दुष्कर्म का आरोपी दोष मुक्त

बैतूल। आरक्षीगृह आठनेर में इंदल वल्द मल्लू झपाटे निवासी ग्राम पचधार तह. आठनेर जिला बैतूल के विरूद्ध भा.द.स. की धारा 376 (2) (एन), 450,354,506 के तहत अपराध कं. 241/2019 में कायम कर न्यायालय में प्रकरण पेश किया था। आरोप ये लगाया गया था की आरोपी ने जबरन पीड़िता के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। अभियोजन में लगाये आरोपों को सिद्ध करने के लिए पीड़िता का पति नरेन्द्र धोटे, संदीप धोटे, राहुल अमरूते, सहायक उपनिरीक्षक जे.एस रघुवंशी धनराज दरवाई, उत्तम गावंडे, प्रधार आरक्षक भजन चौहान, सहायक उपनिरीक्षक प्रशांत पाल, आरक्षक श्यामा धुर्वे, डॉ. रंजीत राठौर, पटवारी कमलेश बिंजाडे, डॉ. अंकिता मर्सकोले, अशोक वागद्रे, डॉ. मोनिका सोनी, आरक्षक हरिओम वर्मा के कथन करवाए थे।

माननीय अपर सत्र न्यायाधीश भैंसदेही के न्यायालय में चले उक्त सत्र प्रकरण कं. 45/2019 में लगाये आरोपों को सही नहीं पाते हुए आरोपी को दोषमुक्त कर दिया गया।

रैली निकाल कर एड्स के प्रति किया जागरूक

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एड्स सप्ताह अंतर्गत स्लोगन प्रतियोगिता, रैली निकाल कर लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.मीनाक्षी चौबे के संरक्षण में कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गोपाल प्रसाद साहू,डॉ. शीतल खरे, प्रो. राजेश शेषकर की उपस्थिति में रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स पर स्लोगन लेखन व रैली से जागरूकता अभियान चलाया। रैली कॉलेज से निकलकर मुख्य मार्गो से होते हुए कॉलेज में ही संपन्न हुई। रैली के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम आयुष घिंडोडे और अंजली नागोरे के नेतृत्व में किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हिमांशु पाटिल, अक्षय मालवी, दलनायक निकिता सिरसाम, विशाल अमरूते, उपदलनायक इस्त्याक अली, निशु पवार, पलक राजगोंड, खुशी पारके, किरण सलाम,के साथ 50 स्वयंसेवकों का सक्रिय योगदान रहा।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

भौंरा। हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल भौरा में बालिकाओं द्वारा भ्रुण हत्या, घरेलु हिंसा, लिंगानुपात, बाल विवाह आदि पर पेंटिंग तैयार की गई। शिक्षकों,

बालिकाओं को गुड टच, बेड टच की समझाइश देते हुए बाल विवाह को रोकने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सेक्टर सुपर वाइजर भौरा 1 मीना केलिव, भौरा 2 सुनीता कोगाहे, शिक्षक सुभाष कुमार कटारे, श्रीमती प्रावीणा उदयपुरे, आँगनवाडी कार्यकर्ता सरला मिश्रा, माधुरी बचले, निशा उपाध्याय एवं रक्षा जागरे उपस्थिति रही।

डॉ. अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

बैतूल। पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास गंज में अनु.जाति, अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी संगठन के तत्वावधान में भारत भारत के संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस शुक्रवार को मनाया। कार्यक्रम में जेएच कॉलेज के डॉ. सुखदेव डोंगरे, पूर्व शिक्षिका श्रीमती भागाती डोंगरे, छात्रावास अधीक्षक डीडी खातरकर पवन फाटे, मदन यादव और 200 से अधिक विद्यार्थीयों की उपस्थिति में माल्यार्पण कर श्रद्धांजली अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन विकास नागले ने व आभा एवं आभार प्रकट अविनाश इवने ने व्यक्त किया।

डॉ. सुखदेव, डोंगरे ने सभी विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। इस मौके पर भागरती डोंगरे ने कहा कि स्वतंत्रता, समानता का अधिकार बाबा साहेब अम्बेडकर ने महिलाओं को दिलाए। मदन यादव ने कहा बाबा साहब ने संविधान का निर्माण

बैतूल की 10 मिट्टी प्रयोगशालाओं में से, 9 पर लगे ताले

जिले में साढ़े 4 करोड़ से बनी थी प्रयोगशालाएं, कई भवन हो गये खस्ताहाल

संजय द्विवेदी

बैतूल। फसलों का उत्पादन बढ़ाने सरकार किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। नई-नई योजनाएं लागू है, तो दूसरी तरफ किसान, खेती के लिए सबसे जरूरी मिट्टी परीक्षण नहीं करवा पा रहे। इसकी वजह है कि जिले के ब्लाकों में बनी बनी मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं का अभी तक संचालन शुरू नहीं हो पाया है। किसानों को खेत की मिट्टी का परीक्षण कराना है तो उन्हें जिला मुख्यालय बैतूल आना पड़ता है। इसमें उनका समय व रुपये दोनों खर्च हो रहे। इसके अलावा एक दिन में मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट किसानों को नहीं मिल पाती है। जिससे किसानों को बार-बार परेशान होना पड़ता है। दरअसल शासन ने 2016-17 में मार्कफेड के माध्यम से जिले के 10 ब्लॉकों में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के भवन बनाए। भवन और मिट्टी की टेस्टिंग के लिए 4 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च किए, लेकिन प्रशिक्षित स्टाफ की नियुक्ति नहीं होने से करोड़ों की प्रयोगशालाएं बंद हैं। किसानों को मिट्टी परीक्षण करवाने के लिए बैतूलबाजार आना पडता है। एक प्रयोगशाला होने से जिले में हर साल मात्र 2 से 5 हजार मिट्टी परीक्षण ही होते हैं, यदि सभी प्रयोगशालाएं चालू हो जाएं तो हर साल 50 हजार मिट्टी परीक्षण सकते हैं। लेकिन इस दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बता दे कि मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में खेत की मिट्टी में पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की जांच की जाती है। जिसके अनुसार फसले लगाने से बेहतर उत्पादन मिलता है और किसान आर्थिक लाभ कमा सकते है।

जिले के इन ब्लाकों में बनी है प्रयोगशाला- जिले के मुलताई, भैंसदेही, आमला, शाहपुर, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी, प्रभातपट्टन तथा आठनेर ब्लॉक में 35-35 लाख की लागत से प्रयोगशाला के लिए भवन और प्रत्येक प्रयोगशाला के लिए 15-15 लाख से मशीनें बुलवाई थीं। एक केंद्र पर 50 लाख रुपए शासन ने खर्च किए, यानी 4 करोड़ 50 लाख रुपए खर्च कर दिए। इन

प्रयोगशालाओं में 8 प्रशिक्षित स्टाफ की जरूरत के मान से 72 कर्मचारी नियुक्त करने थे, लेकिन एक भी प्रयोगशाला पर नियुक्त नहीं होने से मशीनें धूल खा रही हैं। इस कारण योजना का मूल उद्देश्य आज तक पूरा नहीं हो सका। केवल बैतूलबाजार में बनी प्रयोगशाला में ही प्रशिक्षित स्टाफ है।

जांच होती तो, पता चलता मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी- जिले में गेहूं, सोयाबीन, चना, गन्ना, मक्का के अलावा सब्जियों की खेती होती है। इसके अलावा अन्य फसलों की बुआई पर किसान दिलचस्पी नहीं दिखाते है। किसानों को मिट्टी में कौन-कौन से पोषक तत्व है और क्या-क्या कमी है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाती है। अधिकतर किसान मिट्टी का परीक्षण नहीं कराते है, क्योकि जिलेभर में केवल एक प्रयोगशाला है। इसमें भी मिट्टी परीक्षण के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। किसानों को समय रहते मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी पता चल जाती और वह उस कमी को दूर करके खेती को लाभ का धंधा बना सकते थे।

प्रयोगशाला में मिट्टी के इन तत्वों की होती हैं जांच- प्रयोगशाला में मिट्टी के पोषक तत्वों की जांच की जाती है। जानकारी के अनुसार पौधों की समुचित वृद्धि एवं विकास के लिए सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाए गए है। इनमें कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्निशियम एवं सल्फर (मुख्य या अधिक मात्रा में लगने वाले आवश्यक पोषक तत्व) इन पोषक तत्वों में से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्रायः वायु व पानी से प्राप्त करते हैं। शेष पोषक तत्वों के लिए ये भूमि पर निर्भर होते है। सामान्यत- ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते है।

खुलने से पहले ही कई प्रयोगशालाएं खस्ताहाल - जिले के 9 ब्लाकों में बनी मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला भवन संचालन शुरू होने से पहले ही खस्ताहालत में पहुंच गये है। जानकारी के अनुसार आमला के तोरणवाड़ा में बनी मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला देखरेख और सुरक्षा के अभाव में अज्ञात लोगों ने प्रयोगशाला के केबल चोरी कर लिये। खिडक़ी-दरवाजे क्षतिग्रस्त कर दिये। शाहपुर के कृषक ओमप्रकाश गुप्ता और बसंत चौरे ने बताया कि यहां पर ना तो कोई कर्मचारी, अधिकारी उपस्थित रहते हैं। और ना ही इस भवन का ताला कभी खुलता है। यदि इन प्रयोगशालाओं में कर्मचारियों की नियुक्ति हो जाती है तो यह प्रयोगशाला भी शुरू हो सकती है। अब यदि प्रयोगशाला शुरू होती भी है तो रिपेरिंग करना होगा। जिसमें भी खर्च होगा।

इनका कहना है -

जो प्रयोगशालाएं बनी थी, उनके लिए स्टॉफ की व्यवस्था नहीं हो पाई थी, इसलिए प्रयोगशालाएं बंद थी, लेकिन अभी डेढ़ महीने पहले मप्र शासन ने टैंडर निकाला था। बैतूल जिले में भी 64 संस्थाओं ने टैंडर में हिस्सा लिया था। टैंडर फाइनल हो गया है। अब नियमित रूप से प्रयोगशालाएं खुलने के लिए अनुबंद किया जा रहा है। 8 से 10 दिन में प्रयोगशालाओं में सेम्पल रिसीव करने, टेस्ट करने सहित लगातार काम शुरू हो जायेगा।

- डॉ. आनंद बडोनिया,
उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

आठनेर वन परिक्षेत्र में सागौन चरपट समेत बाइक जब्त, आरोपी फरार

रात्रि गश्त में वन विभाग ने पकड़ी 7,870 रुपये की सागौन लकड़ी

बैतूल। आठनेर वन परिक्षेत्र में लकड़ी माफियाओं के खिलाफ वन विभाग की सख्ती जारी है। 4 दिसंबर की मध्यरात्रि को दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल की रात्रि गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई। वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल विजयानन्तम टी.आर. (भारतीय वन सेवा) एवं उपवनमंडलाधिकारी मुलताई (सा.) संजय साल्वे के मार्गदर्शन में और वन परिक्षेत्र अधिकारी अतुल भोयर के निर्देशन में बेलकुंड के सोनोरा मार्ग पर एक संदिग्ध वाहन पकड़ा गया। गश्ती दल ने बताया कि मध्यरात्रि के बाद एक वाहन सागौन चरपट लेकर जाते हुए दिखाई दिया। वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने वाहन की गति तेज कर दी। रात्रि गश्ती दल ने तुरंत उसका पीछा किया। कुछ दूरी के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया और वाहन को छोड़ गया। गश्ती दल ने मौके से 7 नग सागौन चरपट (0.135 घनमीटर) और एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल को जब्त किया। जप्त की गई सागौन लकड़ी का अनुमानित मूल्य 7,870 रुपये आंका गया है। इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 212/07 दिनांक 05 दिसंबर 2024 को दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक हीरादेही मंगलसिंह सिकरवार, वनरक्षक सुरेन्द्र पंवार और वाहन चालक नूर मोहम्मद का विशेष योगदान रहा। वनमंडलाधिकारी विजयानन्तम टी.आर. ने कहा कि जंगलों की रक्षा के लिए विभाग पूरी तरह सतर्क है और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे जंगलों में होने वाली अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें।

शौचालय जाने वाले मार्ग पर लगाया पानठेला

बैतूल। चिचोली के बस स्टेंड पर बने पुरुष शौचालय के मार्ग पर दुकानदार ने पान ठेला रख लिया है। ठेले पर खड़े ग्राहकों के कारण यात्रियों का लघुशंका जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पान ठेले के कारण पहुंच मार्ग मात्र 2 फुट चौड़ा बचा है। कई बार यात्री उस मार्ग में फंस जाते हैं। एक बार में एक ही व्यक्ति निकल पाता है। हाथ ठेले के कारण शौचालय से बाहर निकलते समय कई बार यात्री चोटिल भी हो चुके है। पेशाब घर जाने वाले यात्रियों को निकलने के लिए प्रतीक्षा करना पड़ता है। जिससे उनकी बस छूट जाती है। लेकिन इसके बाद भी नगर परिषद द्वारा यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए पानठेला नहीं हटाया जा रहा है। जिससे यात्रियों और नागरिकों में नाराजगी बनी हुई है।

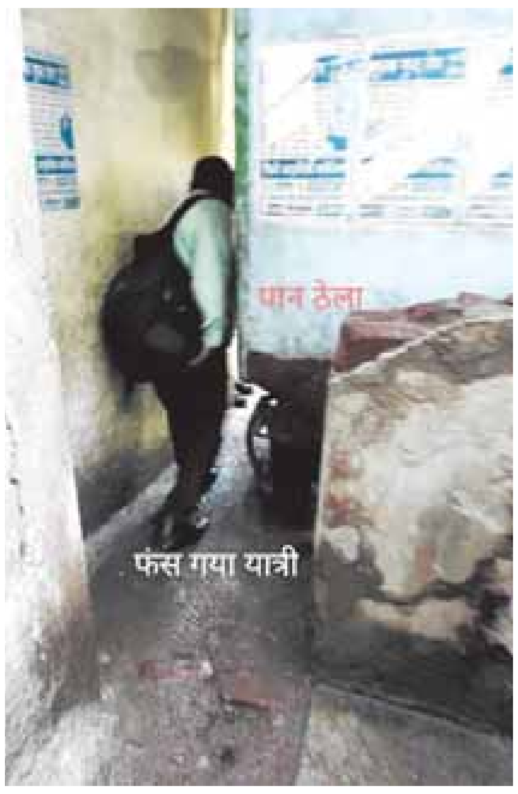

हाई स्कूल सेमझिरा में साइकिल वितरित की

बैतूल। शासकीय हाई स्कूल सेमझिरा तहसील मुलताई में निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। संस्था से 22 विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल वितरित की गई । जिसमें 15 छात्रों तथा 7 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई है। साइकिल वितरण योजना से हाई स्कूल सेमझिरा में पढने वाले निकट गांव के विद्यार्थियों को बहुत लाभ होगा। शाला में आने वाले विद्यार्थियों को काफी दूर से पैदल चलकर आना पड़ता था। लगभग 6-7 किलोमीटर तक की दूरी तय करके विद्यार्थी चलकर आते थे। उन्हें ग्रामीण क्षेत्र से आने में बहुत ही असुविधा होती थी। आसपास के गांव जूनापानी, आमाडोह, पाटाखेडा, उभारिया, सोमलापुर आदि से विद्यार्थी प्रतिदिन स्कूल आते हैं। ऐसे क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर जनपद सदस्य रामदास धुर्वे, ग्राम सरपंच मोहनलाल पवार, एसएमडीसी के सदस्य लखन लाल पाठेकर की उपस्थिति में निशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य नीलेश्वर कालभोर एवं शिक्षक शिक्षिकाएं परसराम सूर्यवंशी, सोमसिंह सिसोदिया, संजय हाटेकर, सतीश सिंह रघुवंशी, अनीता राठौड, मंदाकिनी चौरासे, रूपा खवसे सहित लाभार्थी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आपातकालीन हेल्पलाइन एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 25 नवंबर 2024 से जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 10 दिसंबर 2024 तक चलेगा। ÷हम होंगे कामयाब÷ पखवाड़े के तहत शुक्रवार को शासकीय हाई स्कूल खेड़ी सांवलीगढ़ में आपातकालीन हेल्पलाइन एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर बैतूल श्रीमती अर्चना तिवारी द्वारा महिलाओं की सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा अभियान अंतर्गत परियोजना स्तर पर परियोजना प्रभात पट्टन, भैंसदेही, आमला, भीमपुर, बैतूल शहरी अंतर्गत आंगनवाडी केन्द्र चिखलीमाल सेमरिया खुर्द में भी जागरूकता कार्यक्रम किया गया, जिसमें महिलाओं के आपातकालीन स्थिति होने पर शासन द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नंबर के विषय में बताया गया। अभियान के तहत शिक्षा विभाग के समन्वय से परियोजना स्तर पर सी.एम. राइस स्कूल चिल्कापुर भैंसदेही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला प्रभूढाना, माध्यमिक शाला लालावाडी तथा शासकीय नवीन माध्यमिक शाला विनोबा वार्ड बैतूल, हाई स्कूल हाई स्कूल दुधावानी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा एवं हेल्पलाइन नंबर 181,1098,112 की जानकारी दी गई।

जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को दी जानकारी

बैतूल। जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 25 नवंबर से जागरूकता अभियान आरंभ किया गया, जो आगामी 10 दिसंबर तक चलेगा। हम होंगे कामयाब पखवाड़े के तहत महिला एवं बाल विकास वन स्टाफ सेंटर सखी बैतूल द्वारा पीएम श्री एकीकृत हाई स्कूल खेड़ी सावलीगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वन स्टॉप सेंटर से लीगल एडवाइजर मीरा सिंह ठाकुर ने बालक एवं बालिकाओं को सुरक्षा अंतर्गत वूमेन ट्रैफिकिंग यौन शोषण साइबर क्राइम एवं पोक्सो एक्ट की जानकारी दी। केस वर्कर माधुरी पवार द्वारा वन स्टॉप सेंटर की कार्यशैली घरेलू हिंसा विभिन्न प्रकार के हेल्पलाइन नंबर की विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य एवं वन स्टॉप सेंटर प्रभारी समस्त स्कूल स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं समस्त बालक बालिका उपस्थित रहे।

होमगार्ड जवानों की देश और समाज की सेवा में निभाई गई भूमिका अमूल्य: कलेक्टर

बैतूल होमगार्ड ने मनाया 78वां होमगार्ड स्थापना दिवस

बैतूल। 78वां होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को होमगार्ड लाइन सोनाघाटी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि होमगार्ड जवानों की देश और समाज की सेवा में निभाई गई भूमिका अमूल्य है। उन्होंने कहा कि आपके योगदान के कारण ही देश और समाज सुरक्षित हैं। आपके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र से

सम्मानित किया। इस दौरान अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वयंसेवकों के मेधावी बालक और बालिकाओं को विभाग द्वारा प्रदान प्रोत्साहन राशि के चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के आगमन पर परेड कमांडर श्रीमती सुनीता पंद्रे प्लाटून कमाण्डर द्वारा सलामी दी गई। सलामी पश्चात परेड कमांडर द्वारा परेड की रिपोर्ट दी जाकर मुख्य अतिथि से परेड का निरीक्षण करवाया गया। इसके बाद परेड द्वारा मार्च पास्ट किया गया। परेड में 3 प्लाटून लगाए गए। परेड कमांडर प्लाटून कमाण्डर श्रीमती सुनीता पंद्रे, टूआईसीएएसआई बीरनसिह कुशराम, प्रथम प्लाटून के कमाण्डर अवधेश वर्मा हवलदार स्टोरमैन, द्वितीय प्लाटून के कमांडर सै.क्र.131 नायक जयपाल सिंह एवं तृतीय प्लाटून के कमांडर से.क.167 नायक दिलीप थे। होमगार्ड के मधुर बैंड की धुन पर परेड द्वारा मार्च पास्ट किया गया। बैंड का नेतृत्व सैनिक 72 संतोष द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल एन झारिया, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, रक्षित निरीक्षक दिनेश मर्सकोले, विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवक, सिविल डिफेन्स वालंटियर, स्कूली विद्यार्थी सहित नागरिक उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया भटेले को सम्मानित

भोपाल। मंत्रालय वल्लभ भवन के पूर्व मुख्य सुरक्षा अधिकारी/ सहायक पुलिस आयुक्त श्री विश्वास कुमार भटेले को अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो फिल्म फेस्टिवल मे प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सांसद वी. डी.शर्मा जी द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश पुलिस के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी सेवानिवृत पुलिस अधिकारी को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के कारण

अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रदेश के महामहिम गवर्नर द्वारा सम्मानित किया गया है। विश्वास कुमार भटेले को इस उपलब्धि पर वल्लभ भवन सुरक्षा, सतपुड़ा सुरक्षा एवं विंध्याचल सुरक्षा की तरफ से हार्दिक-हार्दिक बधाईयां और शुभकामनाएं प्रदान की गई है। यहां बता दे कि श्री विश्वास कुमार भटेले जहां 21 साल तक मध्य प्रदेश के राज भवन में सुरक्षा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं वहीं वह 7 वर्ष तक मंत्रालय में मुख्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर भी रहे और वह मंत्रालय से ही विगत वर्ष सेवानिवृत हुए हैं। उल्लेखनीय की श्री भटेले की जहां ईमानदार और कर्मठ अधिकारियों में गिनती होती रही है वहीं वे एक सरल सहज मिलनसार अधिकारी भी रहे हैं।

मुख्यमंत्री यादव ने भारत रत्न डॉ. अंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर दी श्रृद्धांजली

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रृद्धांजली दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संविधान शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहेब लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे, जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया। उनका जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक-कल्याण के लिए समर्पित रहा।

बोर्ड ऑफिस चौराहा में मनाया 68वां महापरिनिर्वाण दिवस

विभिन्न धर्मगुरूओं ने डॉ. अम्बेडकर को अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ द्वारा आज भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर आयोजित 'सर्वधर्म मानवंदना समारोह' में विभिन्न धर्मगुरुओं और समाज के प्रतिष्ठित नेताओं ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि महंत अनिलानंद महाराज, सूफी मुशाहिद उज जाम ख़ान चिश्ती, फ़ादर अल्फ़ेड डिसूजा और ज्ञानी गुरूविन्दर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर उनके योगदान को सलाम किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने

बाबा साहेब को समाज वैज्ञानिक बताया और उनके चिन्तन को तर्क और यथार्थ पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि उनका चिंतन कभी पक्षपाती नहीं था और उनका दृष्टिकोण सामाजिक यथार्थ पर आधारित था।

किशन सूर्यवंशी(नगर निगम अध्यक्ष) ने भी डॉ. साहब की महानता पर प्रकाश डाला और कहा कि यदि बाबा साहेब नहीं होते तो भारतीय समाज की धारा कुछ और होती। उन्होंने संविधान को समाज में समानता और न्याय की स्थापना का महत्वपूर्ण उपकरण बताया।

इस कार्यक्रम में बुद्धभूमि महाविहार उपासक संघ और समस्त अनुयायी उपस्थित थे, जिन्होंने बाबा साहेब की विचारधारा और संघर्ष को याद करते हुए उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अखिल भारतीय बैरवा महासभा के प्रतिनिधि मंडल ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की।

नर्मदा के तट पर निवेश और नवाचार का होगा संगम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 5 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य को औद्योगिक विकास और रोजगार के केंद्र में परिवर्तित करने के लिए अपने अभिनव प्रयासों को जारी रखते हुए, 7 दिसंबर 2024 को नर्मदापुरम में 6वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) का शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए 4 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जिनमें 3 हजार एमएसएमई प्रतिनिधि, 75 प्रमुख निवेशक, और कनाडा, वियतनाम, नीदरलैंड, मेक्सिको और मलेशिया जैसे 5 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। विभिन्न सेक्टोरल सत्रों में राज्य की औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन और एमएसएमई के लिए उपलब्ध संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का वर्चुअल भूमिपूजन और उद्घाटन करेंगे। इस आरआईसी में निवेशकों को भूमि आवंटन-पत्र भी वितरित किये जायेंगे। निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग होगी, जिसमें 10 से अधिक प्रमुख निवेशक अपनी योजनाएँ प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, राउंड टेबल सत्र नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर केंद्रित होगा। 'निर्यात कैसे शुरू करें' और 'पर्यटन में निवेश संभावनाएँ' जैसे विषयों पर सेक्टोरल-सत्र भी होंगे।

कार्यक्रम की थीमः 'नए क्षितिज, नई संभावनाएँ'– नर्मदापुरम, जो अपनी धार्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है, अब एक उभरते औद्योगिक केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। 'नए क्षितिज, नई संभावनाएँ' थीम के अंतर्गत इस कार्यक्रम में कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, नवकरणीय ऊर्जा, पर्यटन और वस्त्र जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रदर्शनी– कॉन्क्लेव में स्थानीय उत्पादों के प्रदर्शन के लिए प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है जिसमें 75 से अधिक स्टॉल लग रहे हैं जिनमें एमएसएमई, पर्यटन, हस्तशिल्प विकास निगम, और बैंकिंग संस्थानों के साथ-साथ ओडीओपी उत्पादों के प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उक्त स्टॉल न केवल जानकारी प्रदान करेंगे बल्कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने में भी महत्पूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उद्योग और रोजगार के लिए नई राह– 'उद्योग वर्ष 2025' अंतर्गत आयोजित इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के हर क्षेत्र को औद्योगिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में आयोजित सफल कार्यक्रमों की श्रृंखला में नर्मदापुरम का यह आयोजन क्षेत्रीय संभावनाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस कॉन्क्लेव से नर्मदापुरम क्षेत्र को औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित करने के साथ-साथ निवेशकों और सरकार के बीच आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 की मौत

चित्रकूट में ट्रक में घुसी बोलेरो

छतरपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के एक ही परिवार के 5 लोगों की सड़क हादसे में जान चली गई। परिवार बोलेरो से उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में अस्थियां विसर्जित करने गया था। लौटते समय ड्राइवर को झपकी आने पर बोलेरो कार ट्रक में घुस गई।

हादसा शुक्रवार सुबह उत्तरप्रदेश के चित्रकूट में रैपुरा थाना क्षेत्र में झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर हुआ। बोलेरो में 11 लोग सवार थे। 5 घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया है। बता दें कि रविवार को कामता अहिरवार की कैंसर के चलते मौत हो गई थी। इनकी अस्थियों के विसर्जन के लिए परिवार छतरपुर से प्रयागराज गया हुआ था। हादसे में घायल जमुना अहिरवार की बेटी हेमा ने बताया कि रात में पापा ने कॉल कर बताया था कि सुबह आ जाएंगे। खाना बनाकर रखना। फोन नहीं लगा तो नाना को कॉल किया। कॉल किसी दूसरे ने उठाया तब इस घटना का पता चला।

5 गंभीर घायलों को प्रयागराज किया रेफर– हादसे की सूचना पर चित्रकूट के डीएम शिवशरणप्पा और एसपी अरुण सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। एसपी अरुण सिंह ने बताया कि ट्रक और जीप की टक्कर में छह की मौत हो गई है। पांच घायल जिला अस्पताल में भर्ती हैं, जिन्हें प्रयागराज रेफर किया है।

बोलेरो और ट्रक की आमने-सामने से टक्कर हुई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। 5 लोग जो घायल हैं, उनकी हालत बहुत गंभीर है। फिलहाल, वे कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं।

डीआईजी-कमिश्नर ने अस्पताल में की घायलों से मुलाकात– कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी और डीआईजी अजय कुमार सिंह भी घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों का हाल-चाल जाना है और उन्हें बेहतर इलाज का आश्वासन दिया है। कमिश्नर ने कहा कि हम लोग सुबह से ही घटनास्थल का जायजा ले रहे हैं। पीड़ितों की हर संभव मदद की जाएगी। कमिश्नर बालकृष्ण त्रिपाठी और डीआईजी अजय कुमार सिंह भी घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

उत्तरप्रदेश के सीएम योगी ने जताया दुख– चित्रकूट हादसे पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। घटना पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अफसरों को मौके पर पहुंचने और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल में नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी को जेल

बाइक से आया और कमेंट करने लगा, पहले भी कई बार कर चुका था हरकत

भोपाल (नप्र)। बजरिया थाना क्षेत्र में एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पड़ोस में ही रहने वाला युवक नाबालिग को परेशान कर रहा था। बजरिया थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी पर कार्रवाई की है। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

बजरिया थाना पुलिस के मुताबिक, नाबालिग बुधवार को घर के पास ही किसी काम से जा रही थी। इस दौरान आरोपी युवक बाइक से आया और लड़की से छेड़छाड़ करने लगा। नाबालिग ने जब विरोध किया तो आरोपी ने उसे अपशब्द कहे और वहां से भाग गया।

लंबे समय से कर रहा था परेशान– पुलिस ने बताया कि आरोपी, नाबालिग को पहले भी कई बार परेशान कर चुका है। नाबालिग ने डर के कारण इसकी जानकारी किसी को नहीं दी थी। लेकिन इस बार जब आरोपी ने छेड़छाड़ की तो नाबालिग ने घर आकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों की शिकायत पर गुरुवार को आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।

उपराष्ट्रपति ने शिवराज सिंह को कहा- किसान के लाड़ले

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सभी कृषि उपज पर एमएसपी देने का दिया भरोसा

भोपाल (नप्र)। दो दिन पहले मुंबई में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भरे मंच पर किसानों से किए वादों को लेकर सवाल पूछने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब उन्हें नया नाम दिया है। संसद की कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रपति ने शिवराज सिंह को 'किसान के लाड़ले' कहा है।

शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कृषि मंत्री को ये नाम तब दिया, जब कृषि मंत्रालय से संबंधित सवाल पूछे जा रहे थे। उन्होंने शिवराज सिंह से कहा कि मैंने आज आपका नामांकन कर दिया है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सभी कृषि उपज पर एमएसपी देने का भरोसा दिया है। दरअसल, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने संसद में सवाल उठाया कि कई किसान संगठन संसद मार्च कर रहे हैं। तीन दिन पहले एक उच्च संवैधानिक पदाधिकारी ने किसानों का दर्द जनता के सामने रखा। उसी पर जानना चाहता हूं कि सरकार क्या कर रही है और कृषि मंत्री की क्या राय है।

शिवराज सिंह को लेकर ये बोले उपराष्ट्रपति

जयराम रमेश की बात सुनकर धनखड़ ने कहा ये कुछ भी रिकॉर्ड नहीं होगा। फिर उन्होंने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर कहा-मंत्री जी आते-जाते समय मेरे साथ थे। मैंने मंत्री जी से कहा और मैं आश्वस्त हुआ, जिस आदमी की पहचान देश में लाड़ली के नाम से थी वो किसान का लाड़ला होगा। मैं पूरी तरह आशावान हूं कि ऊर्जावान मंत्री अपने नाम शिवराज के अनुरूप, ये करके दिखाएंगे। आज मैंने आपका नामांकन कर दिया है किसान के लाड़ले।

धनखड़ ने कहा- जयराम रमेश से मुझे उम्मीद थी कि वो कोई प्रश्न पूछेंगे। बड़ा अच्छा लगता अगर एक बार भी एडजर्नमेंट मोशन आता। लेकिन एक भी प्रश्न आया नहीं।

भोपाल में पहली बार संविधान का अखंड पाठ

आयोजक बोले–मंदिर, मस्जिद और स्कूलों में भी ऐसे पाठ होना चाहिए

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पहली बार संविधान का अखंड पाठ हो रहा है। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के मौके पर भोपाल के सेकेंड स्टाप स्थित अंबेडकर जयंती मैदान पर शुक्रवार सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक अखंड संविधान पाठ किया जा रहा था।

मंदिर, मस्जिद और स्कूलों में संविधान का पाठ होना चाहिए– कार्यक्रम के संयोजक मिलिंद बौद्ध ने बताया कि भोपाल में पहली बार ही ऐसा हो रहा है कि संविधान का अखंड पाठ किया जा रहा है। अभी तक संविधान का अखंड पाठ कभी नहीं हुआ। यह संविधान का हीरक जयंती वर्ष है संविधान लागू हुए 75 साल पूरे हो गए हैं। इसी उपलक्ष्य में भोपाल के लोगों ने यह सोचा।

पूरे प्रदेश में नहीं बल्कि पूरे देश में ऐसा होना चाहिए। गली-मोहल्लों, स्कूलों से लेकर मस्जिदों, मंदिरों, गुरुद्वारों में संविधान का पाठ होना चाहिए। हमारे संविधान के प्राइम्बल में आता है कि 'वी द पीपुल ऑफ इंडिया' हम संविधान लागू करेंगे और उसे आत्म अर्पित करेंगे। लोगों को यह मालूम तो हो कि वह है क्या?

26 जनवरी तक मोहल्लों में होंगे संविधान के पाठ– मिलिंद बौद्ध ने कहा- लोगों को संविधान के बारे में जानना चाहिए इसलिए हमने यह शुरुआत की है। भोपाल के जयंती मैदान से हमने आज यहां अखंड पाठ की शुरुआत की है। हम आगे ऐसे पाठ हर मोहल्ले में करेंगे। ऐसे आयोजन 26 जनवरी तक यह चलेंगे। 26 जनवरी को बाबा साहब हीरक जयंती वर्ष समाप्त हो रहा है।

उसी दिन हम बड़ा कार्यक्रम इस मैदान में करेंगे। उसमें हम सभी धर्म के अनुयायियों को धर्म गुरुओं को आमंत्रित करेंगे कि संविधान में हमें क्या दिया है? इस देश को क्या दिया है? तो 75 साल का लेखा-जोखा हम यहां रखेंगे। समापन समारोह में बड़ी संख्या में लोग यहां मौजूद रहेंगे।

इसका उद्देश्य यही है कि जन-जन तक संविधान पहुंचे संविधान की बातें पहुंचे और लोग संविधान को पढ़ें अपने धर्म ग्रंथों को खूब पढ़ें। लेकिन एक बार संविधान को भी जरूर पढ़ कर देखें। जब संविधान पढ़ कर देख लेंगे तो इस देश में क्या हो रहा है वह और सही ढंग से होने लगेगा। जो हो रहा है वह तो होगा लेकिन, उससे अच्छा होगा बेहतर होगा यही उम्मीद हम करते हैं।

प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में बनेंगे गीता भवन

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तैयार की 2875 करोड़ रुपये की योजना

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में धार्मिक ग्रंथों, साहित्य और वैज्ञानिक अनुसंधानों के सुलभ अध्ययन के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 413 नगरीय निकायों में गीता भवन बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिये विभाग ने 2 हजार 875 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। यह योजना आगामी 3 वर्षों में पूरी की जायेगी।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 5 नगर निगमों में 1500 बैठक क्षमता और 5 लाख से कम जनसंख्या वाले नगर निगमों में एक हजार बैठक क्षमता वाले एक-एक गीता भवन तैयार किये जायेंगे। प्रदेश की 99 नगरपालिका परिषद और 298 नगर परिषद क्षेत्र में क्रमशः 500 एवं 250 बैठक क्षमता के एक-एक गीता भवन तैयार किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि गीता भवन का निर्माण राज्य शासन द्वारा कराया जायेगा।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल को गोली मारी, मौत

छतरपुर में पिता से कहा था अपने बेटे को संभाल लो ; आरोपी 12वीं का छात्र पकड़ाया

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में दो छात्रों ने प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रिंसिपल सुरेंद्र कुमार सक्सेना की मौके पर ही मौत हो गई। मामला धमौरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल का है। वारदात के बाद आरोपी छात्र प्रिंसिपल की स्कूटी लेकर भाग निकले। आरोपी ढिलापुर गांव का रहने वाले हैं। एक टीचर ने बताया कि एक आरोपी 12वीं का छात्र है। प्रिंसिपल ने उसके पिता को कई बार बुलाकर कहा था कि आपका बेटा अनुशासनहीन है। इसे संभाल लो। इधर, वारदात के कुछ ही घंटे बाद पुलिस ने एक आरोपी छात्र को पकड़ लिया गया है। ओरछा थाना प्रभारी ने बताया कि उससे पूछताछ की जा रही हैं।

ग्वालियर में कारोबारी दंपती 16 घंटे रहे डिजिटल अरेस्ट

इंदौर एसीपी के कॉल पर रात 1.30 बजे ग्वालियर पुलिस ने कराया मुक्त

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एक कारोबारी दंपती को 16 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर कैद रखने का मामला सामने आया है। ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर कॉल किया। बताया कि आपकी पत्नी के मोबाइल नंबर का मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड में यूज हुआ है। इसके बाद वॉट्सऐप पर गिरफ्तारी वारंट और नोटिस भी भेजा गया। कारोबारी दंपति इतना डर गए थे कि उन्होंने अपने नाबालिग बेटे को रिश्तेदार के घर रहने भेज दिया। कहा कि हम अर्जेंट काम से भोपाल जा रहे हैं। गुरुवार सुबह से रात भर इतना टॉर्चर किया कि वह शुक्रवार सुबह उनको कैश देने के लिए तैयार हो गए थे। इस बीच उनके रिश्तेदार लगातार कॉल कर रहे थे, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रहा था। इंदौर एसीपी(असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस) मंजीत सिंह ने ग्वालियर कन्ट्रोल रूम कॉल कर कारोबारी के घर देखने के लिए कहा। जब नाइट गश्त पर निकली डीएसपी किरण अहिरवार वहां पहुंची तो रात 1.30 बजे कारोबारी दंपती को मुक्त कराया गया।

भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका :कृष्णा गौर

भोपाल (नप्र)। भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने, संरक्षित रखने और जीवित रखने में भारतीय महिलाओं ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। भारतीय संस्कृति में महिलाओं के ज्ञान की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारतीय समाज में प्राचीन वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक महिलाओं का सम्मानीय स्थान रहा है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने उक्त आशय की बातें कहीं। राज्य मंत्री श्रीमती गौर शुक्रवार को विज्ञान भारतीय की महिला इकाई शक्ति द्वारा मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में आयोजित 3 दिवसीय ''स्त्री'' सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रही थीं।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि समाज की उन्नति और अवनति का सीधा संबंध समाज में महिलाओं की प्रस्थिति और उनके सम्मान से रहा है। समाज में जब और जिस समय महिलाओं का सम्मान रहा है, उस समय के समाज ने उन्नति और प्रगति का सफर तय किया है। जब-जब समाज में महिलाओं के सम्मान में कमी आयी है, तब के समाज में पतन की स्थिति देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि वैदिक काल में महिलाओं की सम्मानीय स्थिति और वैदिक काल के युग में भारत विश्व गुरु के रूप में जाना जाता था। भारतीय समाज के निर्माण में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय वेदों, शास्त्रों और ऋचाओं को लिखने वाली महिलाएँ थीं। महिलाएँ अनेक अवसरों पर शास्त्रार्थ करती थीं। प्राचीन भारत में महिलाओं को स्वतंत्रता और अनेक अधिकार प्राप्त थे।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि भारतीय इतिहास के मध्य काल में महिलाओं के सम्मान में कमी आयी। महिलाओं को अनेक अधिकारों से वंचित भी किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आज 21वीं सदी में महिलाएँ आत्म-निर्भर हैं। उन्होंने आज के युग की विभिन्न क्षेत्रों की सफल महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि हम टेक्नालॉजी पर आधारित 21वीं सदी में आगे बढ़ रहे हैं। हमें टेक्नालॉजी और नवाचारों के साथ आगे बढ़ना है और साथ में अपनी परम्पराओं से भी जुड़े रहना है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने शक्ति के तत्वावधान में स्त्री-2024 के आयोजनकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदर्शनी में भाग ले रहे विभिन्न कलाकारों और उद्यमियों से उनके उत्पादों के संबंध में चर्चा की।

स्त्री सम्मेलन को प्रो. चांसलर आरएनटीयू डॉ. अदिति चक्रवर्ती ने भी संबोधित किया। मेनिट के निदेशक प्रो. के.के. शुक्ला, महानिदेशक एमपीसीएसटी डॉ. अनिल कोठारी, निदेशक एनआईटीटीआर डॉ. सी.सी. त्रिपाठी, संयोजक स्त्री-2024 प्रो. अनुपमा शर्मा, शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य अतिथि उपस्थित थे।

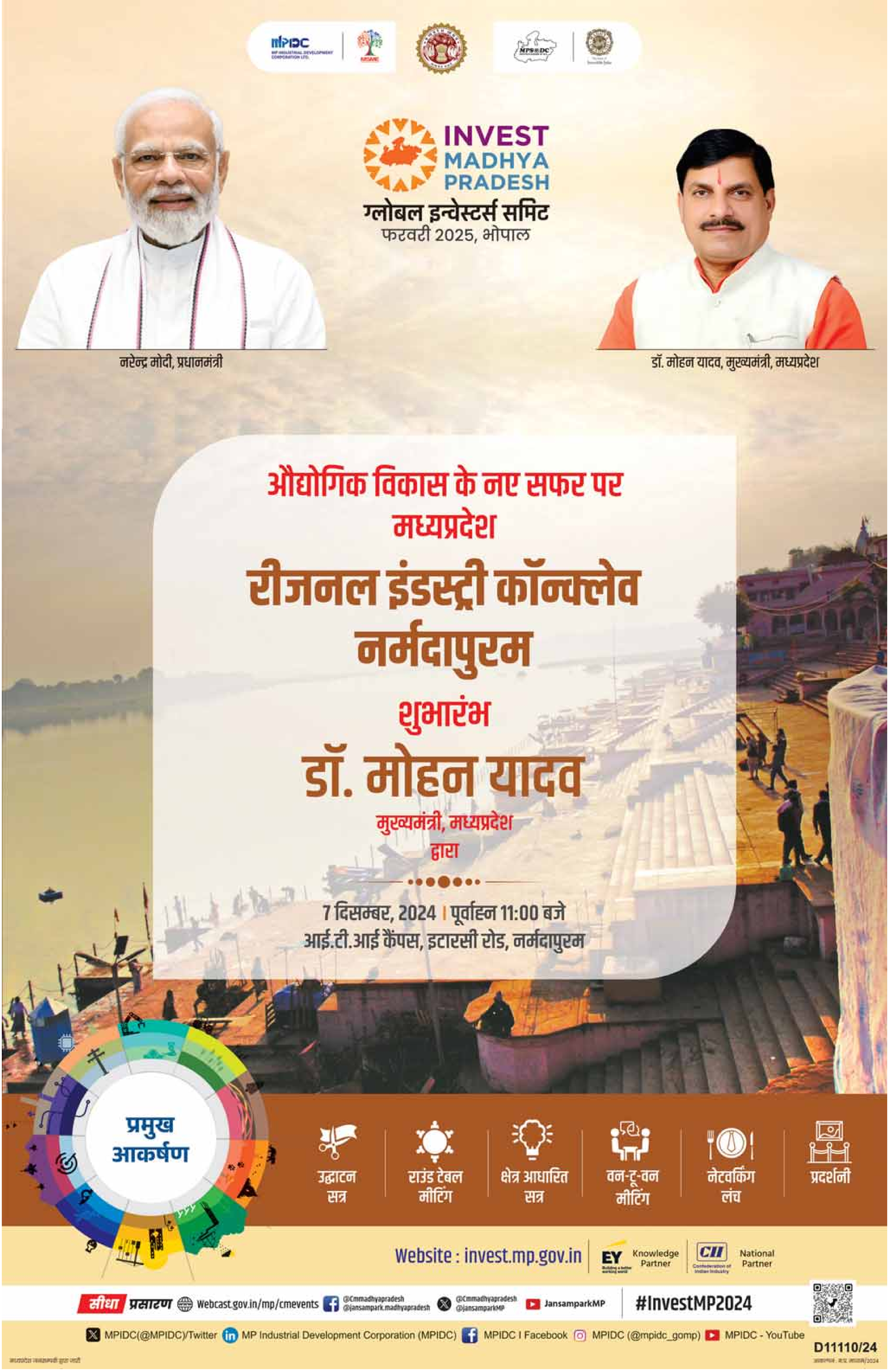
INVEST MADHYA PRADESH
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
फरवरी 2025, भोपाल
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
औद्योगिक विकास के नए सफर पर
मध्यप्रदेश
रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव
नर्मदापुरम
शुभारंभ
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा
7 दिसम्बर, 2024 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
आई.टी.आई कैंपस, इटारसी रोड, नर्मदापुरम
प्रमुख आकर्षण
उद्घाटन सत्र
राउंड टेबल मीटिंग
क्षेत्र आधारित सत्र
वन-टू-वन मीटिंग
नेटवर्किंग लंच
प्रदर्शनी
Website : invest.mp.gov.in
EY Knowledge Partner
CII National Partner
सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
#InvestMP2024
MPIDC(@MPIDC)/Twitter
MP Industrial Development Corporation (MPIDC)
MPIDC I Facebook
MPIDC (@mpidc_gomp)
MPIDC - YouTube
D11110/24